https://www.facebook.com/jantaunion

झाँसी
सोमवार, 20 जुलाई 2026
वर्ष 19 अंक 44
पृष्ठ 8 मूल्य ₹3.00
www.epaperjantaunion.com

जनता यूनियन

अधिकतम : 32° से.
न्यूनतम : 26° से.

jantaunion@gmail.com

हाइवे पर ट्रक के पीछे टकराई बाइक, एक की मौत...- 3 | सभी प्रमुख बाँधों, जलाशयों, रपटों एवं संवेदनशील स्थलों पर चेतावनी सूचना...-8

सार संक्षेप

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खेमनई देश में नहीं! सऊदी मीडिया का बड़ा दावा

वाशिंगटन (जीएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार (स्थानीय समय) को कहा कि उन्हें ईरान के उस फ़ैसले से कोई फ़र्क नहीं पड़ता जिसमें उसने अमेरिका-ईरान समझौते को न मानने का निर्णय लिया है। उन्होंने दोहराया कि वॉशिंगटन की प्राथमिकता तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी केबल नेटवर्क न्यूजनेशन के साथ एक संक्षिप्त फ़ोन इंटरव्यू में, ट्रंप से तेहरान के उस ऐलान के बारे में पूछा गया जिसमें कहा गया था कि वह पिछले महीने अमेरिका के साथ हुए अंतरिम समझौते का पालन नहीं करेगा। ट्रंप ने कहा कि मुझे इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। उन्होंने आगे कहा कि इस लड़ाई का मुख्य मकसद ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल न करने देना है। फरवरी में अमेरिका और इज़राइल द्वारा शुरू किए गए युद्ध को खत्म करने के लिए जून के बीच में वॉशिंगटन और तेहरान के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। होरमुज़ जलडमरूमध्य के प्रबंधन को लेकर असहमति के बीच घातक हमलों का ताजा दौर शुरू हुआ है।

बलूचिस्तान में छात्रों के गायब होने की घटनाएं तेज, सामी बलूच ने पाकिस्तान सरकार को घेरा

बलूचिस्तान (जीएनएस)। बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता सामी दीन बलूच ने बलूचिस्तान में छात्रों के कथित तौर पर जबरन गायब किए जाने की हालिया घटनाओं में बढ़ोतरी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि पिछले कुछ दिनों में यह सिलसिला और तेज़ हो गया है। X पर पोस्ट किए गए एक बयान में बलोच ने कहा कि बलोचिस्तान में लोगों के ज़बरदस्ती गायब किए जाने का सिलसिला कभी पूरी तरह से नहीं रुका, लेकिन खासकर पिछले कुछ दिनों में छात्रों के ज़बरदस्ती गायब किए जाने की घटनाओं में खतरनाक और चिंताजनक तेज़ी आई है।

एआई की ग्लोबल रेस में चीन का बड़ा धमाका, मूनशॉट का कीमी बना दुनिया का सबसे बड़ा ओपन वे मॉडल

बीजिंग (जीएनएस)। एआई की वैश्विक दौड़ में चीन ने एक और बड़ा कदम उठाया है। चीनी एआई कंपनी मूनशॉट ने शुक्रवार को अपना नया मॉडल किमी के3 पेश किया। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा ओपन-वेट एआई मॉडल है और इसकी क्षमता अमेरिका की अग्रणी कंपनियों के ऐडवांस मॉडलों के काफी करीब पहुंच चुकी है। इस घोषणा के बाद एक बार फिर चीन और अमेरिका के बीच एआई क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा चर्चा का विषय बन गई है। मौजूद जानकारी के अनुसार इस मॉडल में 10 लाख टोकन तक का संदर्भ दायरा दिया गया है। इसका मतलब है कि यह एक बार में पहले की तुलना में कहीं अधिक जानकारी को समझने और याद रखने में सक्षम है। इससे बड़े दस्तावेजों का विश्लेषण, लंबी बातचीत और जटिल तकनीकी कार्य पहले से अधिक आसानी से किए जा सकेंगे। कंपनी का दावा है कि हार्डवेयर उपयोग और प्रसंस्करण गति के मामले में किमी के3 का प्रदर्शन एंथ्रोपिक के फेबल 5 मॉडल के बेहद करीब है।

स्पीकर के फैसले पर बवाल: टीएमसी और शिवसेना के बागी सांसदों को मान्यता, विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक से किया वॉकआउट

नई दिल्ली (जीएनएस)। संसद के मॉनसून सत्र से पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से रविवार को विपक्ष ने वॉकआउट किया। उन्होंने स्पीकर के उस फ़ैसले का विरोध किया जिसमें तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसदों को बैठक में बुलाया गया था। यह घटनाक्रम तब हुआ जब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने शिवसेना के छह सांसदों के, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंज़ूरी दे दी। साथ ही, उन्होंने ऊश्श्र के उन 20 बागी सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था को मंज़ूरी भी दी, जो एनसीपीएआई नाम की एक कम जानी-पहचानी पार्टी में शामिल हो गए हैं। विपक्ष का रुख बताते हुए कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि पार्टियों ने विरोध स्वरूप बैठक का बहिष्कार करने का सामूहिक फ़ैसला किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने टीएमसी और शिवसेना के बागी सांसदों के बारे में स्पीकर के फ़ैसले के विरोध में सर्वदलीय बैठक से वॉकआउट करने का फ़ैसला किया। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि आज कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, जेएमएम आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी पार्टियों और शिवसेना समेत पूरे विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक से विरोध स्वरूप वॉकआउट किया। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि तथाकथित एनसीपीआई (जो एक गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी है) के सदस्यों को मिलाकर, टेबल ऑफिस द्वारा दी गई सूची में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की सदस्य संख्या 28 दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि इन तथाकथित बागी 20 सांसदों के विलय को स्पीकर ने मंज़ूरी नहीं दी है। उनकी सदस्यता रद्द करने से जुड़ी 20 याचिकाएं अभी भी लंबित हैं। 91वें संविधान संशोधन के बाद अलग गुट (ब्लॉक) बनाने की कोई गुंजाइश नहीं है। ऐसे में संसदीय कार्य मंत्री ने इन 20 बागी सांसदों को किस आधार पर निमंत्रण भेजा और वे इस बैठक में कैसे शामिल हो रहे हैं? हमने अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया और विरोध स्वरूप बैठक से बाहर आ गए। हम अपनी सभी विपक्षी पार्टियों का धन्यवाद करते हैं। शिवसेना के सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि उन्हें (बागी सांसदों को) जो मान्यता दी गई है, कानून की किताबों में ऐसा कौन सा प्रावधान है? हमने भी इसका विरोध किया है और सदन से वॉकआउट किया है। आप सांसद एनडी गुप्ता ने कहा कि हमारे मामले में, राज्यसभा के 10 सांसदों में से 7 को हाईजैक कर लिया गया है और यह तय करने के लिए हमारी याचिका लंबित है कि यह वैध है या नहीं। इसके बावजूद, उन्हें राज्यसभा में अलग-अलग स्वतंत्र सीटें आवंटित की गई हैं। यह लोकतंत्र का सीधा-सीधा अपहरण और हत्या है।

ईरान ने अमेरिका को दी बड़ी चेतावनी, भूला नहीं पाओगे ऐसा सबक सिखाएंगे, पश्चिमी एशिया में बढ़ा तनाव

ईरान (जीएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच एक-दूसरे पर हमले जारी हैं। इसी बीच, तेहरान ने कहा कि पिछले महीने वॉशिंगटन के साथ हुआ समझौता अब खत्म हो गया है। ईरान ने अमेरिका पर उस शांति समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जिसका मकसद मध्य पूर्व में चार महीने से ज़्यादा समय से चल रहे टकराव को सुलझाना था। फार्स न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक, ईरान के उप-विदेश मंत्री काज़ेम ग़रीबाबादी ने एक बयान में कहा कि अमेरिका ने इस्लामाबाद रूप के तहत किए गए अपने सभी वादों का उल्लंघन किया है और उन्हें रोक दिया है। उन्होंने कहा कि हमने भी अपने वादों को रोक दिया है; हम उन्हें लागू नहीं कर रहे हैं और देश की रक्षा में लगे हुए हैं। ईरान के इस ऐलान से मध्य पूर्व में हालात और अस्थिर हो सकते हैं, जहाँ 28 फरवरी को टकराव शुरू होने के बाद से ही स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। गौरतलब है कि यह घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के कुछ दिनों बाद हुआ है जिसमें उन्होंने कहा था कि वॉशिंगटन अब ईरान के साथ युद्धविराम में दिलचस्पी नहीं रखता है, क्योंकि इस्लामिक रिपब्लिक ने समझौते का उल्लंघन किया है।

सीएम योगी का मास्टरस्ट्रोक: 2027 यूपी चुनाव से पहले लोधेश्वर कॉरिडोर की नींव

लखनऊ (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार, 20 जुलाई को लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर की आधारशिला रखेंगे। यह कदम राज्य में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी कल उस जगह का दौरा करेंगे और बाराबंकी में कॉरिडोर की आधारशिला रखेंगे। यूपी सरकार का लक्ष्य चुनावों से पहले लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर का काम पूरा करके उसका उद्घाटन करना है। माना जा रहा है कि इस कॉरिडोर के ज़रिए बीजेपी, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की पीडीए राजनीतिक रणनीति में सेंध लगाने की कोशिश कर रही है बाराबंकी के अलावा, उन्नाव, बांदा, जालौन, कानपुर, हमीरपुर और कालपी के कई समुदायों के लोग भगवान महादेव (शिव) को अपना कुलदेवता मानते हैं। सावन के पवित्र महीने और महाशिवरात्रि के दौरान, लोध, गुर्जर, तोमर और पाल समुदायों के बड़ी संख्या में भक्त, कांवड़ यात्रियों के साथ लोधेश्वर महादेव मंदिर आते हैं। अयोध्या में राम मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के बाद, यह कॉरिडोर भक्तों के लिए एक और महत्वपूर्ण स्थल होगा। लोधेश्वर कॉरिडोर लगभग 20 बीघा (5,40,000 वर्ग फुट) ज़मीन पर बनेगा। इस प्रोजेक्ट के लिए रास्ता बनाने के मकसद से मंदिर के आस-पास के 127 घरों और दुकानों को हटा दिया गया है। बुलडोज़र का इस्तेमाल करके अवैध कब्ज़े हटाए गए, जबकि जिन मालिकों के पास प्रॉपर्टी के सही कागज़ात थे, उन्हें उनके घर और दुकानें तोड़े जाने से पहले मुआवज़ा दिया गया। इन प्रॉपर्टीज़ को खाली कराने और तोड़ने के लिए मुआवज़े के तौर पर लगभग 48 करोड़ रुपये दिए गए। इस कॉरिडोर में मंदिर के चारों ओर परिक्रमा का रास्ता, भव्य प्रवेश द्वार, विश्राम गृह, क्लॉक रूम और तीर्थयात्रियों के लिए शौचालय जैसी सुविधाएं होंगी।

सोनम वांगचुक को निजी अस्पताल ट्रांसफर करने की मांग खारिज, परिवार को 24×7 मुलाकात की इजाजत

नई दिल्ली (जीएनएस)। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंग्मो की उस याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट ने रविवार को खारिज कर दिया, जिसमें मांग की गई थी कि उन्हें सफदरजंग अस्पताल से किसी प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट किया जाए। कोर्ट ने केंद्र सरकार का पक्ष लेते हुए कहा कि एक्टिविस्ट के शरीर पर अपने अधिकार (बॉडीली ऑटोनॉमी) का उल्लंघन नहीं हुआ है और सरकार का उन्हें वहां शिफ्ट करने का फैसला उनकी बिगड़ती सेहत की वजह से था, न कि मनमाना। जस्टिस मिनी पुष्करणा की सिंगल-जज बेंच ने केंद्र सरकार का बचाव करते हुए कहा कि सरकार को दखल देने का अधिकार था, क्योंकि एक्टिविस्ट - जो हृश्वश्नह्न त पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली में भूख हड़ताल पर थे - लगातार सेहत बिगड़ने के बावजूद खुद अस्पताल में भर्ती नहीं हुए थे। हालांकि, कोर्ट ने आंग्मो की उस अर्ज़ी पर केंद्र, दिल्ली पुलिस और सफदरजंग अस्पताल को नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें किसी प्राइवेट अस्पताल में ट्रांसफर करने की मांग की गई थी।

अमित शाह ने कोलकाता में म्यूजियम ऑफ़ वर्ड का किया उद्घाटन, बोले- सांस्कृतिक विरासत पुनर्जीवित करने का बड़ा कदम

कोलकाता (जीएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता में नेशनल लाइब्रेरी में नवनिर्मित 'म्यूज़ियम ऑफ़ वर्ड' के पहले चरण का उद्घाटन किया। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को देश की सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक बड़ी प्रगति बताया। शाह ने इस म्यूज़ियम को भारत की सांस्कृतिक पहचान को बचाने और बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की चल रही कोशिशों में एक बड़ी उपलब्धि बताया उन्होंने कहा कि यह देश की संस्कृति के लिए एक बहुत अहम दिन है, क्योंकि पीएम मोदी देश की सांस्कृतिक विरासत को फिर से जीवंत करने के संकल्प में एक बड़ा मील का पत्थर हासिल कर रहे हैं। किसी भी देश या क्षेत्र की संस्कृति और उसकी अभिव्यक्ति भाषा के बिना नहीं हो सकती, और भाषा खुद भावनाओं से निकले शब्दों के बिना नहीं हो सकती। जब तक हमारी आने वाली पीढ़ियाँ इस सफ़र को नहीं समझेंगी, तब तक इस देश का सांस्कृतिक पुनरुद्धार सही मायने में नहीं हो सकता। मुझे पूरा भरोसा है कि यह शब्दों का म्यूज़ियम सांस्कृतिक पुनरुद्धार की इस प्रक्रिया में एक बुनियादी ज़रूरत को पूरा करेगा और इसे अपने मकसद में कामयाब होगा। उन्होंने स्थानीय भाषाओं को बचाने के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि किसी देश की स्थानीय भाषाई पहचान को केवल भावनात्मक जुड़ाव तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे लोगों के चरित्र को सक्रिय रूप से आकार देना चाहिए। शाह ने लोगों से पारंपरिक भाषाओं को न खोने का आग्रह करते हुए कहा कि हर व्यक्ति का अपनी मातृभाषा से लगाव होता है और यह सही भी है। यहाँ पर यह एहसास होता है कि यह लगाव केवल एक भावना बनकर न रह जाए, बल्कि हमारे चरित्र का अभिन्न अंग बन जाए।

कलकत्ता हाई कोर्ट से अभिषेक बनर्जी को राहत, ऑफिस को गिराने पर लगी रोक

कोलकाता (जीएनएस)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को रविवार को कलकत्ता हाई कोर्ट से राहत मिली। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के अमतला में उनके ऑफिस को गिराने पर रोक लगा दी और सभी पक्षों को अगली सुनवाई या जुलाई के आखिर तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। यह आदेश जस्टिस राजा बसु चौधरी ने दिया। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार को अमतला में अभिषेक के ऑफिस से जुड़े सभी दस्तावेज़ जमा करने का भी निर्देश दिया। बताया जाता है कि यह ऑफिस लीप्स एंड बाउंड्स कंपनी का है। बताया जा रहा है कि इस इमारत का स्वामित्व 'लीप्स एंड बाउंड्स' कंपनी के पास है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुताबिक, तृणमूल नेता अभिषेक 'लीप्स एंड बाउंड्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं।

भारी बारिश के खतरे के बीच वैष्णो देवी यात्रा सस्पेंड, प्रशासन का बड़ा फैसला, यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च

कटरा (जीएनएस)। जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब मौसम और भारी बारिश के अनुमान के बीच माता वैष्णो देवी यात्रा को भी कुछ समय के लिए रोक दिया गया है। प्रशासन ने घोषणा की है कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आज (19 जुलाई) से यात्रा रोक दी गई है। इससे पहले, खराब मौसम के कारण अमरनाथ यात्रा भी रोक दी गई थी उन्होंने कहा कि वैष्णो देवी यात्रा तभी फिर से शुरू होगी जब मौसम ठीक हो जाएगा और रास्ता श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित घोषित कर दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग

(आईएमडी) की खराब मौसम की चेतावनी को देखते हुए, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर श्री माता वैष्णो देवी यात्रा को कुछ समय के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। उन्होंने श्रद्धालुओं को सलाह दी कि वे अधिकारियों का सहयोग करें और अगले आदेश तक यात्रा पर न जाएं। प्रवक्ता ने कहा कि तीर्थयात्रियों से अनुरोध है कि वे वैष्णो देवी यात्रा फिर से शुरू होने के बारे में ताज़ा जानकारी के लिए आधिकारिक संचार माध्यमों से अपडेट रहें। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 19 जुलाई से 23 जुलाई के बीच पूरे जम्मू-कश्मीर में मध्यम से लेकर व्यापक बारिश का अनुमान लगाया है। शनिवार को भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन से उत्तराखंड की दो प्रमुख तीर्थयात्राएं प्रभावित हुईं; केदारनाथ रूट पर घोड़े-खच्चर की सेवाएं रोक दी गईं और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया। आईएमडी ने रविवार के लिए नैनीताल, चंपावत और उधम सिंह नगर में रेड अलर्ट जारी किया है और कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है।

सीएम विजय का भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरेंस एक्शन, तमिलनाडु में 7 जीसीसी अधिकारी सस्पेंड, एफआईआर दर्ज

तमिलनाडु (जीएनएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान को तब और तेज़ी मिली, जब ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन (जीसीसी) के सात अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया और कथित भ्रष्टाचार व बिना हिसाब-किताब वाले वित्तीय लेन-देन के लिए उनके खिलाफ़ ऋद्गद्म दर्ज की गई। यह कार्रवाई पिछले हफ्ते चेन्नई के दो ज़ोन में की गई अचानक जांच के बाद हुई, जिसमें अधिकारियों को कथित तौर पर बिना हिसाब-किताब वाला कैश और संदिग्ध डिजिटल लेन-देन मिले। जीसीसी अधिकारियों के अनुसार, यह जांच ज़ोन 6 और 9 में की गई, जिसमें उत्तरी और मध्य चेन्नई के कई अहम इलाके शामिल थे। बष्ठ्ठ के एक सीनियर अधिकारी ने इंडिया टुडे को बताया कि अचानक की गई जांच के दौरान, एक असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ?2.39 लाख के जीपे ट्रांज़ैक्शन के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पाए।

दिल्ली में बदलेगा मौसम

40 से 30 डिग्री पर आएगा पारा! आईएमडी का उत्तरी भारत को भारी बारिश अलर्ट

नई दिल्ली (जीएनएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में सक्रिय दक्षिण-पश्चिम मॉनसून का अनुमान लगाया है और संवेदनशील इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश और अचानक बाढ़ का खतरा होने की चेतावनी दी है। गर्मी और उमस भरे वीकेंड के बाद दिल्ली में तापमान में भारी गिरावट की उम्मीद है। आने वाले दिनों में हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और कई पूर्वोत्तर राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। मॉनसून के जोर पकड़ने के साथ, राष्ट्रीय राजधानी में अधिकतम तापमान रविवार के लगभग 40 डिग्री सेल्सियस से गिरकर मंगलवार तक लगभग 30 डिग्री सेल्सियस तक आने की उम्मीद है। दिल्ली में सोमवार से बुधवार के बीच कहीं-कहीं आंधी-तूफान और भारी बारिश होने की संभावना है, जिससे दिन का तापमान गिरकर 30 डिग्री सेल्सियस के निचले स्तर पर आ जाएगा। आईएमडी ने दिल्ली के लिए तापमान का अनुमान जारी किया है: रविवार को 40 डिग्री सेल्सियस, सोमवार को 37 डिग्री सेल्सियस, मंगलवार को 30 डिग्री सेल्सियस, बुधवार को 33 डिग्री सेल्सियस, गुरुवार को 35 डिग्री सेल्सियस, शुक्रवार को 36 डिग्री सेल्सियस और शनिवार को 32 डिग्री सेल्सियस। रविवार को राजधानी में कहीं-कहीं बारिश के साथ आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और 20-30 किमी/घंटा की तेज़ ज़मीनी हवाएं चलने की संभावना है। नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) में, गाज़ियाबाद में न्यूनतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जबकि गुरुग्राम में तापमान 34 और 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। फरीदाबाद में मौसम के अपेक्षाकृत ठंडा रहने और तापमान 29 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। आईएमडी ने पूरे सप्ताह पूर्वोत्तर भारत में व्यापक बारिश का अनुमान लगाया है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश की संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत में, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भारी से बहुत भारी बारिश होने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश हो सकती है, जिससे अचानक बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है।

मोहन यादव का ऐलान: एमपी कैबिनेट ने यूसीसी ड्राफ्ट को दी मंजूरी, विधानसभा में होगा पेश

भोपाल (जीएनएस)। मध्य प्रदेश कैबिनेट ने रविवार को सर्वसम्मति से यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) बिल के ड्राफ्ट को मंज़ूरी दे दी। इससे 20 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सत्र के दौरान राज्य विधानसभा में इसे पेश करने का रास्ता साफ़ हो गया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस फ़ैसले को एक अहम पड़ाव बताया और कहा कि प्रस्तावित कानून भारतीय संस्कृति और मूल्यों में निहित समानता के सिद्धांतों को दर्शाता है। यूनिफॉर्म सिविल कोड एक्ट, 2026 नाम का यह ड्राफ्ट कानून अब चर्चा और विचार के लिए विधानसभा में पेश किया जाएगा। कैबिनेट की बैठक के बाद फ़ैसले की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सभी मंत्रियों ने प्रस्तावित कानून का एकमत से समर्थन किया। यादव ने कहा कि आज मध्य प्रदेश कैबिनेट ने पूरे दिल से और सर्वसम्मति से यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल, 2026 को मंज़ूरी दे दी है। मैं अपने सभी कैबिनेट सहयोगियों और राज्य की जनता को बधाई देता हूँ। अब यह बिल 20 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में पेश किए जाने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार समानता को भारतीय सभ्यता का मूल सिद्धांत मानती है और प्रस्तावित कानून इसी सोच को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

ससुराल पक्ष से प्रताड़ित महिला को मिली जान से मारने की धमकी

जनता यूनियन मथुरा । वैवाहिक विवादों के बीच एक महिला के आत्मसम्मान और उसके मायके वालों की सुरक्षा पर बन आने का एक गंभीर मामला सामने आया है। मयूर विहार कॉलोनी की रहने वाली पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने उसके पति के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न और परिवार को जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता का अपनी गरिमा और अधिकारों को लेकर पति व ससुराल पक्ष के साथ काफी समय से विवाद चल रहा है। अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही पीड़िता को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

पीड़िता के अनुसार, शनिवार की रात उसके पति ने मर्यादाओं को ताक पर रखकर उसके व्हाट्सएप पर एक बेहद आपत्तिजनक और डराने वाला संदेश भेजा। संदेश में पीड़िता के पिता और भाई की जान को खतरा पैदा करते हुए उन्हें नुकसान पहुंचाने की बात कही गई। इस अप्रत्याशित धमकी के बाद से पीड़िता और उनका परिवार गहरे मानसिक तनाव और असुरक्षा के साए में है। महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने और उसके परिवार को भयभीत करने वाले इस कृत्य को लेकर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने कानून व्यवस्था से अपने आत्मसम्मान की रक्षा और अपने परिवार के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की पुरजोर मांग की है।

वृंदावन में युवती से मारपीट, एआई से फोटो वायरल करने व जान से मारने की धमकी; मुकदमा दर्ज

जनता यूनियन मथुरा । तीर्थनगरी के एक पॉश इलाके में रहने वाली एक युवती के साथ घर में घुसकर गाली-गलौज, मारपीट करने और सोशल मीडिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक से उसकी तस्वीरें बिगाड़कर वायरल करने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर वृंदावन थाना पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आश्रम ट्रस्ट की शिकायत पर पांच के खिलाफ धोखाधड़ी और रंगदारी का मुकदमा दर्ज

जनता यूनियन मथुरा । रमणरेती स्थित एक प्रतिष्ठित आध्यात्मिक ट्रस्ट की शिकायत पर पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, रंगदारी और जान से मारने की धमकी देने के आरोपों में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दी गई लिखित तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर वैधानिक जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि मुख्य आरोपी महिला अपनी दो बेटियों के साथ आश्रम में रुकी थी और खुद की उच्च अधिकारियों से जान-पहचान होने का दावा किया था। आरोप है कि आरोपियों ने ट्रस्ट की चित्रकूट स्थित एक अन्य शाखा में भक्तों के लिए फ्लैट निर्माण की योजना की जानकारी मिलते ही, कथित तौर पर ट्रस्ट की अनुमति के बिना कुछ लोगों से फ्लैट और जमीन दिलाने के नाम पर करीब एक करोड़ रुपये की अग्रिम राशि प्राप्त कर ली। जब लोगों ने अपनी राशि वापस मांगी, तो आरोपियों द्वारा कथित तौर पर यह गलत प्रचार किया जाने लगा कि उक्त राशि आश्रम प्रबंधन को दी गई है।

जनभागीदारी से सुरक्षित रहेगा ब्रज का प्राकृतिक और आध्यात्मिक वैभवः शैलजाकांत मिश्र

जनता यूनियन मथुरा । स्वच्छता अभियान से पूर्व वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान के ओपन एयर थिएटर में हार्टफुलनेस फाउंडेशन के तत्वावधान में ध्यान शिविर एवं आध्यात्मिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। शिविर में ध्यान, हृदय से जुड़ाव, प्रेम और आध्यात्मिक जीवन के महत्व पर चर्चा की गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि ब्रज की स्वच्छता का यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि जनभागीदारी का व्यापक आंदोलन है। जब संत समाज, प्रशासन, सामाजिक संस्थाएं और आम नागरिक एक साथ जुड़ेंगे, तभी ब्रज का प्राकृतिक और आध्यात्मिक वैभव सुरक्षित रह सकेगा। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य लोगों में यह भावना विकसित करना है कि ब्रज की स्वच्छता ही ब्रज सेवा और ठाकुरजी की सच्ची सेवा है।

पुलिस ने किया बिजली के ट्रांसफार्मर और वाहन चुराने वाले गिरोह का खुलासा

जनता यूनियन मथुरा । मथुरा पुलिस ने बडी कामयाबी हासिल करते हुए वाहन और बिजली के ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से भारी मात्रा में चोरी किया गया समाान बरामद किया गया है। 17 जुलाई को चोरी हुई स्विफ्ट डिजायर कार की जांच के दौरान पुलिस इस गिरोह तक पहुंची। पुलिस के मुताबिक यह गिरोह बडा है, गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटाई जा रही है। गिरोह के सदस्यों के गिरफ्तारी होने के बाद पुलिस ने चोरी की कई घटनाओं का भी खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह बलदेव, राया, महावन और जमुनापार समेत कई थाना क्षेत्रों में लगातार चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की स्विफ्ट डिजायर कार, तीन मोटरसाइकिलें, इन्वर्टर, बैटरी, बिजली के केबल और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह सुनसान स्थानों पर खड़े वाहनों, ट्रांसफार्मरों और बिजली उपकरणों को निशाना बनाता था। गिरफ्तार अधिकांश आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी है। उनके खिलाफ चोरी, आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब गिरोह के फरार सदस्यों की तलाश कर रही है। साथ ही चोरी के अन्य सामान की बरामदगी और गिरोह से जुड़ी अन्य वारदातों की भी जांच की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस पर 5वीं ओपन शतरंज प्रतियोगिता संपन्न

मथुरा के आदेश चौधरी बने विजेता

जनता यूनियन मथुरा । अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस के अवसर पर गुड मूव चैस क्लब, मथुरा एवं श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल के सहयोग से आयोजित 5वीं ओपन शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन चंपा अग्रवाल बाल मंदिर, डैंपियर नगर, मथुरा में संपन्न हुआ।

प्रतियोगिता में मथुरा सहित आसपास के जनपदों से बड़ी संख्या में शतरंज खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में आदेश चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। फुर्रख खान द्वितीय तथा शिव मोहन द्विवेदी तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं एवं विभिन्न वर्गों के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र एवं आकर्षक पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी डॉ. वी.के. चतुर्वेदी एवं विनोदम तथा विशिष्ट अतिथि प्रथमेश चतुर्वेदी, विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती पूजा सैनी, आकाश गौतम एवं मदन मोहन श्रीवास्तव उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं, बल्कि एकाग्रता, धैर्य, तर्कशक्ति एवं निर्णय क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम है। युवाओं को इस खेल से जुड़कर अपनी बौद्धिक क्षमता का निरंतर विकास करना चाहिए।

आयोजन समिति में प्रदीप चतुर्वेदी, राजकुमार वर्मा एवं अनूप चतुर्वेदी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के निर्णायक जितेंद्र, विशाल सोनी, इंदुभूषण सैनी एवं शिवा गौतम रहे। कार्यक्रम का प्रभावी एवं आकर्षक मंच संचालन यज्ञदत्त चतुर्वेदी ने किया।

अंत में आयोजकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले प्रथमेश चतुर्वेदी, कोषडा ज्वेलर्स, रघुनाथ मिठाई वाला, सभी अतिथियों, निर्णायकों, प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी शतरंज के प्रचार-प्रसार एवं नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने हेतु ऐसे आयोजनों का नियमित आयोजन करने का संकल्प व्यक्त किया।

वृंदावन परिक्रमा मार्ग में कमिश्नर ने लगाई झाड़ू, डीआईजी ने उठाया कूड़ा

जनता यूनियन मथुरा । ब्रज को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के संकल्प के साथ रविवार को वृंदावन के 11 किलोमीटर लंबे परिक्रमा मार्ग पर अभूतपूर्व स्वच्छता महाअभियान चलाया गया। हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है अभियान के तहत पूरे परिक्रमा मार्ग को 11 सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेदारी वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने संभाली। सुबह 8 से 11 बजे तक चले अभियान में अधिकारियों ने स्वयं झाड़ू लगाकर, कूड़ा उठाकर और श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। दुकानदार और श्रद्धालुओं से ब्रज भूमि को गंदा न करने का आग्रह भी किया। अभियान में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, आगरा मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, पुलिस उपमहानिरीक्षक शैलेश कुमार पांडेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, नगर आयुक्त ओजस्वी राज, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एडीएम (प्रशासन) डॉ. अमरेश कुमार मौर्य, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, परिषद के एसीइओ राजीव पाण्डेय, सीओ सदर वरुण मिश्रा, अपर नगर मजिस्ट्रेट राजकुमार चौधरी सहित जीएलए विवि के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, कुलपति डा अनूप गुप्ता, रजिस्ट्रार एके सिंह, केडी मेडिकल कालेज के एमडी मनोज अग्रवाल, उमा मोटर्स के निदेशक पवन चतुर्वेदी, के संस के डायरेक्टर सुरेश कौशिक, राम अग्रवाल, उज्ज्वल ब्रज के सचिव अनंत शर्मा आदि ने विभिन्न सेक्टरों में श्रमदान किया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने परिक्रमा मार्ग स्थित दुकानदारों, होटल, रेस्टोरेंट एवं ढाबा संचालकों से स्वच्छता बनाए रखने, कूड़े का उचित निस्तारण करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने की अपील की।

गोरखनाथ बाबा जन्मोत्सव पर आयोजित हुई भव्य कथा, श्रद्धालुओं ने लिया धर्म लाभ

जनता यूनियन मथुरा । गोरखनाथ बाबा के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर बाजना स्थित जाहरवीर बाबा एवं राम दरबार मंदिर दुर्गा प्रसाद फन्ने खां बताशे वाले मंदिर में भव्य धार्मिक आयोजन एवं कथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कथा श्रवण किया तथा गोरखनाथ बाबा के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

कार्यक्रम में परम पूज्य कथा वाचक श्री रविनाथ जी महाराज ने श्रद्धालुओं को गोरखनाथ बाबा के जीवन, तपस्या एवं सनातन धर्म की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि संतों के आदर्शों पर चलकर समाज में प्रेम, सेवा और सद्भाव की भावना को मजबूत किया जा सकता है। इस अवसर पर मुन्ना लाल वार्ष्णेय, ज्ञान प्रकाश वार्ष्णेय, मुकेश वार्ष्णेय, महेश वार्ष्णेय, शुभे कुमार, धनीराम सेठ जी, हरीश वार्ष्णेय (पप्पू), विष्णु सेठ जी, ईशान वार्ष्णेय (ईशु), हीरा लाल, प्रशांत मास्टर, बंटी हलवाई, भगवान वार्ष्णेय, मूला ठाकुर, चेतन मिस्त्री, देवी राम भगत जी, गोपाल वार्ष्णेय, मंशूका वार्ष्णेय, शिवकुमार वार्ष्णेय, देशराज भगत जी सहित अनेक प्रेमी भक्तों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। अंत में सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया गया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला।

बाबा नीम करौली जी की दिव्य कृपा से विगत कई बर्षो से नि:शुल्क भोजन वितरण

जनता यूनियन मथुरा । प्रेरणास्रोत बाबा नीम करौली जी की कृपा से इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (रजि.) के सेवा प्रकल्प बृज की रसोई के अंतर्गत रविवार को आशियाना क्षेत्र के चिन्हित स्थानों पर लगभग 2 हजार से अधिक जरूरतमंद, निराश्रित, असहाय एवं श्रमिक परिवारों के लिए निःशुल्क भोजन वितरण सेवा सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

संजय श्रीवास्तव ने कहा संस्था के स्वयंसेवकों ने पूरे अनुशासन, आत्मीयता और सेवा-भाव के साथ सभी जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा ही धर्म है, भोजन ही सबसे बड़ा दान है का संदेश जन-जन तक पहुँचाया गया।

अनुराग दुबे ने बताया इस अवसर पर सी.एच. तिवारी, जालिम सिंह, संजय श्रीवास्तव, बलवंत सिंह, दीपक भुटियानी, नवलेश सिंह,आशीष श्रीवास्तव, विकास पाण्डेय, उमाशंकर, अखिलेश सिंह, मुकेश कनौजिया, गोविन्द सिंह सहित अनेक स्वयंसेवकों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

विश्राम घाट पर यमुना में डूब रहे श्रद्धालु की दो नाविकों ने बचाई जान

जनता यूनियन मथुरा । विश्राम घाट पर रविवार सुबह करीब 10 बजे यमुना नदी में डूब रहे एक श्रद्धालु की जान बचा ली गई। नाव चलाने वाले दो सगे भाइयों, विष्णु निषाद और भानु निषाद ने यमुना में छलांग लगाकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। विष्णु निषाद ने बताया कि वे अपनी नाव पर मौजूद थे जब उन्होंने नदी के बीच में एक व्यक्ति को डूबते हुए देखा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने तुरंत पानी में छलांग लगा दी और श्रद्धालु तक पहुंचकर उसे संभाल लिया। वहीं, उनके भाई भानु निषाद के अनुसार, राजा घाट की ओर से एक यात्री बहता हुआ उनकी तरफ आ रहा था। यात्री काफी देर तक खुद को बचाने का प्रयास करता रहा, लेकिन फिर बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगा। आवाज सुनकर भानु ने भी अपनी नाव से यमुना में छलांग लगा दी। दोनों भाइयों ने मिलकर श्रद्धालु को सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना को घाट पर मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया।

ध्यान शिविर एवं आध्यात्मिक परिचर्चा का हुआ आयोजन

जनता यूनियन मथुरा । वृन्दावन के गीता शोध संस्थान के परिसर में स्थित ओपन एयर थिएटर में हार्टफुलनेस ध्यान शिविर एवं आध्यात्मिक परिचर्चा का आयोजन हुआ। वैश्विक आध्यात्मिक संस्था हार्टफुलनेस के तत्वावधान में आयोजित हुआ ध्यान सत्र। मनुष्य के जीवन में शांति, संतुलन और आत्मिक उन्नति का आधार हृदय से जुड़ाव है। धर्म, ईश्वर, परंपरा और मान्यताओं पर चर्चा करते हुए ईश्वर को केवल अनुभूति के माध्यम से ही जाना जा सकता है और अनुभूति के लिए ध्यान तथा प्रेम आवश्यक है। ध्यान शिविर में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र, मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप जी, पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय, जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, नगर आयुक्त ओजस्वी राज, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

11 यूपी बटालियन एनसीसी के कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप में जुटे एलुमनाई

जनता यूनियन मथुरा । मथुरा के ओडी कॉम्प्लेक्स में कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप-44 के दौरान एक खास कार्यक्रम में, 11 यूपी बटालियन एनसीसी ने कर्नल विक्रांत त्यागी, एसएम की देखरेख में अपनी पहली एलुमनाई मीट आयोजित की। इसमें अलग अलग पीढ़ियों के कैडेट्स एक साथ आए और बातचीत की, अधिकारियों ने इसे पुरानी यादों को ताज़ा करने वाला और भविष्य की ओर देखने वाला अनुभव बताया। कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू हुआ और इसमें 43 पूर्व कैडेट्स (एलुमनाई) व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए, जबकि 136 अन्य ने भाग लेने की इच्छा जताई थी लेकिन आ नहीं सके। यह बटालियन और उसके पूर्व कैडेट्स के बीच बनी अच्छी भावना और जुड़ाव का एक मजबूत संकेत है। खास बात यह है कि इस जमावड़े में 1994 में पास आउट हुए कैडेट्स भी शामिल थे, जो दशकों से एनसीसी अनुभव के कारण बने मजबूत बंधन को दर्शाता है। इस इंटरैक्टिव सेशन ने पूर्व कैडेट्स को अपने अनुभव साझा करने और चल रहे ट्रेनिंग शेड्यूल और तरीकों पर बहुमूल्य सुझाव देने का मंच प्रदान किया।

पुलिस से भी भिड़ गये हत्यारोपी बदमाश, दो को लगी गोली

जनता यूनियन मथुरा । थाना जैंत पुलिस और सर्विलांस टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। नगला कीकी रोड के पास हुई एक दुस्साहसिक पुलिस मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने लूट और हत्या के सनसनीखेज मामले में वांछित चल रहे तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाशों के कब्जे से अवैध हथियार, लूटी गई नकदी, मोबाइल और एटीएम कार्ड बरामद हुआ है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जैंत पुलिस और सर्विलांस टीम को मुखबिर से सटीक सूचना मिली। मुखबिर ने बताया कि थाना जैंत में दर्ज हत्या और लूट के मुकदमे धारा- 103(1) बीएनएस) से जुड़े आरोपी सुनरख से नगला कीकी रोड की तरफ किसी नई बड़ी लूट की वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए नगला कीकी के पास जंगलों और रास्तों की घेराबंदी शुरू कर दी। पुलिस टीम को सामने देखकर बदमाशों ने खुद को घिरता पाया। आत्मसमर्पण करने के बजाय बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से अपने अवैध तमंचों से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

आदिगुरु महर्षि वेद व्यास प्रादुर्भाव समारोह, विद्वत् संगोष्ठी व धर्मगुरु सम्मान

जनता यूनियन मथुरा । ब्रजमंडल के विद्वानों की अग्रणी संस्था श्रीमद्भागवत कथा आयोजन समिति विद्वत् समाज ब्रजमंडल के तत्वावधान में विगत अनेक वर्षों की भांति वेद, पुराण,उपनिषद शास्त्र के रचयिता आदिगुरु महर्षि वेद व्यास का प्रादुर्भाव समारोह परंपरागत रूप से आयोजित होगा। तैयारी शुरू कर दी गई हैं। मथुरापुरी में कृष्णगंगा घाट स्थित व्यासजी की पौराणिक तपस्थली स्थित मंदिर पर 27 जुलाई को प्रातः 10 बजे आयोजित समारोह में आदिगुरु का चरणाभिषेक, विद्वत् संगोष्ठी व धर्मगुरुओं का सम्मान किया जायेगा। समिति संस्थापक पंडित अमित भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अध्यक्ष शशांक पाठक ने जानकारी दी कि ब्रजमंडल से विद्वान् पाण्डित्यजन व धर्मगुरु समारोह में शामिल होंगे। परंपरा रही है कि व्यास पूर्णिमा/गुरु पूर्णिमा के पूर्व दिवस पर सभी विद्वतजन आदिगुरु व्यास भगवान

का पूजन अर्चन करते हैं। तत्पश्चात अपने अपने स्थान पर पूर्णिमा को गुरु के रूप में अपना पूजन कराते हैं। समारोह को भव्य बनाने के लिए व्यवस्थाएं सौंप दी गई हैं। स्मारक समिति के प्रमुख योगेश आवा ने बताया कि विद्वत् समाज के अलावा विप्रजन व वैष्णवजन भी सहभागिता करेंगे। समिति के डॉ. मनोज मोहन शास्त्री, आचार्य बद्रीश, आचार्य मृदुलकांत शास्त्री, सुमन्त कृष्ण शास्त्री, आचार्य नंदकिशोर, आचार्य विष्णु शरण भारद्वाज, पूर्ण प्रकाश कौशिक महाराज ,आचार्य राजू भैया, डा. हरिमोहन गोस्वामी, हर्षवर्धन शास्त्री आदि ने समारोह में सहभागिता की अपील की है।

चिकित्सक पुत्र प्रागित्य को मिली नीट यूजी में सफलता

जनता यूनियन मथुरा । नीट यूजी में में मथुरा के हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. निर्विल्प अग्रवाल एवं डा. भावना गुप्ता के पुत्र प्रागित्य अग्रवाल की नीट परीक्षा परिणाम में ऑल इंडिया रैंक 3643 आई है। अच्छी रैंक आने पर चिकित्सक पुत्र को अच्छा मेडिकल कॉलेज मिलेगा। इसमें उनके माता-पिता का भी योगदान रहा। परिवार में खुशी का माहौल है। आईएमए अध्यक्ष डा. बीएस गोयल, सचिव डा. ललित वार्ष्णेय, वरिष्ठ चिकित्सक डा. एसके वर्मन आदि के अलावा आकाश सिम्स के डायरेक्टर डा.गौरव भारद्वाज ने चिकित्सक एवं उनके पुत्र को इस सफलता पर बधाई दी है।

हाइवे पर ट्रक के पीछे टकराई बाइक, एक की मौत

झांसी जयूसं। बड़ागांव थाना क्षेत्र में हाइवे पर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रुप से घायल हो गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

चिरगांव थाना क्षेत्र में रहने वाले सचिन अहिरवार अपने दोस्त हरगोविंद वर्मा के साथ बाइक से झांसी जा रहे थे। रास्ते में बचावली के पास हाईवे पर उनकी बाइक आगे चल रहे ट्रक के पीछे टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि सचिन अहिरवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हरगोविंद गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ागांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महिला समेत दो ने लगा ली फाँसी

झाँसी जयूसं। अलग - अलग स्थानों पर महिला समेत दो लोगों ने फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। बबीना थाना क्षेत्र के ग्राम रसीना में दीपक प्रजापति परिवार समेत रहता है। दीपक की शादी पांच साल पहले वंशिका प्रजापति से हुई थी। दो दिन पहले दीपक प्रजापति कमाने के लिए महाराष्ट्र चला गया था। घर पर वंशिका प्रजापति अपने एक साल बेटी और तीन साल के बेटे के साथ घर पर थी। रविवार की सुबह जेठानी अपने देवरानी वंशिका को बुलाने के लिए कमरे में गई तो वंशिका फांसी के फंदे पर लटक रही थी। इसकी जानकारी लगते ही आस पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतका के मायके पक्ष के लोगों से बातचीत की। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। वहीं, बड़ागांव थाना क्षेत्र के ग्राम पाली निवासी राजेश अहिरवार की पुत्री मुन्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

झांसी जयूसं। राजकीय रेलवे पुलिस ने ट्रेनों में चोरी करने के आरोप में एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश किया। यहां से उसे जेल भेजा गया।

पुलिस अधीक्षक रेलवे विपुल कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में यात्रियों एवं यात्रियों के सामान की सुरक्षा के दृष्टिगत रेलवे स्टेशन, सर्कुलेटिंग एरिया एवं ट्रेनों में अपराध नियंत्रण, अपराधियों, चोरी की घटनाओं के रोकथाम व बरामदगी की तहत अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस उपाधीक्षक रेलवे सलीम खान के निकट पर्यवेक्षण में व जीआरपी थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह के नेतृत्व पुलिस टीम गश्त कर रही थी, तभी सूचना मिली कि दिल्ली इण्ड की तरफ बने ई केबिन के पीछे चित्रा चौराहे की तरफ जाने वाले रास्ते के पास एक बदमाश खड़ा है। इसके पास चोरी का मोबाइल फोन है। इस सूचना पर गई टीम ने घेराबंदी कर युवक को मय मोबाइल फोन समेत पकड़ लिया। उसे जीआरपी थाना लाया गया। यहां उससे पूछताछ की।

रेलवे पुलिस के मुताबिक बांदा के थाना जमालपुर के ग्राम गोरेवीर महोखर के पास रहने वाले लल्लू रैदास को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से एक अदद मोबाइल ओप्पो बरामद किया गया। इसकी कीमत 15 हजार रुपया है। अभियुक्त ने बताया है कि वह चलती ट्रेनों में रेलयात्रियों के मोबाइल फोन चोरी करने की वारदातों को अंजाम दे रहा था।

अवैध शराब के कारोबारियों पर कसा शिकंजा, छापेमारी जारी

220 लीटर अवैध शराब बरामद,1800 किग्रा लहन, भट्ठियां नष्ट

झांसी जयूसं। आबकारी और पुलिस विभाग ने शराब का अवैध कारोबार करने वाले लोगों पर शिकंजा कसना शुरु कर दिया है। छापेमारी में टीम ने शराब के भट्ठियां और उपकरणों को तहस नहस कर दिया है। राजस्व वृद्धि एवं आबकारी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु जिलाधिकारी गौरांग राठी, उप आबकारी आयुक्त झांसी प्रभार झांसी उमेश चन्द्र पाण्डेय एवं जिला आबकारी अधिकारी झांसी मनीष कुमार के निर्देशन में आबकारी विभाग, झांसी की जनपद में गठित टीमों द्वारा चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत आज मनोज कुमार श्रीवास्तव आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 झांसी एवं शिशिर द्विवेदी आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-4 झांसी, विजय प्रताप यादव आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 झांसी (अति.चार्ज क्षेत्र-3 झांसी) व थाना पुलिस गरौठा द्वारा मेडिकल बाईपास, पाल कॉलोनी, ग्रासलैंड, लक्ष्मी तालाब, मऊरानीपुर चुरारी मार्ग, ग्राम पसराई, मऊ देहात व डेरा रोरा, बसरिया, गरौठा, ककरबई, वेंदा में दबिश दी गई। दबिश के दौरान 220 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर 1800 किग्रा लहन, भट्ठियां व शराब बनाने में प्रयुक्त उपकरण मौके पर नष्ट कर दिया।

अवैध अड्डों से शराब न खरीदने,लोगों को किया जागरुक

साथ ही अवैध शराब/अपमिश्रित शराब व ओवर रेटिंग के दृष्टिगत जनपद की देशी शराब/कंपोजिट मदिरा दुकानों पर टेस्ट परचेजिंग कराते हुए आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकानों में संचित स्टॉक का स्टॉक पंजिका में अंकित स्टॉक से मिलान करते हुए भौतिक रूप से सत्यापन किया गया एवं पूर्ण रूप से पी.ओ.एस. मशीन से मदिरा की बिक्री करने के निर्देश दिए गए। चेकिंग के दौरान अवैध अड्डों से शराब न खरीदने हेतु लोगों को जागरूक किया गया। सार्वजनिक स्थलों पर शराब का सेवन करने वालो की भी चेकिंग करते हुए लोगों को चेतावित किया गया और मदिरा दुकानो से ही क्यू.आर.कोड युक्त शराब खरीदने हेतु कहा गया।

न्यूज ब्रीफ

जन विश्वास अधिनियम के तहत 356 लोगों पर जुर्माना, तीन लाख बीस हजार की वसूली

झांसी जयूसं। रेल सुरक्षा बल के इंस्पेक्टरों ने संशोधित -जन विश्वास अधिनियम, के अंतर्गत वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन, दतिया रेलवे स्टेशन व ट्रेनों से एक माह में 356 लोगों पर पेनाल्टी लगायी है। एक माह काटे गए पेनाल्टी से तीन लाख बीस हजार से अधिक रुपए का जुर्माना भी वसूला है। सहायक उपनिरीक्षक से ऊपर के इंस्पेक्टर रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में अनाधिकृत प्रवेश ,अनधिकृत यात्रा (महिला, दिव्यांग व एसएलआर कोचों में), अवैध पार्किंग, अवैध वेंडिंग, गंदगी और धूम्रपान के खिलाफ पेनाल्टी काट रहे हैं। संशोधित जन विश्वास अधिनियम के तहत रेलवे सुरक्षा बल के सहायक उपनिरीक्षक से ऊपर से इंस्पेक्टरों को भी कुछ धाराओं में पेनाल्टी काटने का अधिकार मिला है। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी रेल मंडल में 19 जून से संशोधित जन विश्वास अधिनियम लागू है। लेकिन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन समेत प्रमुख स्टेशनों पर 26 जून से पूरी तरह से प्रभावी है। इंस्पेक्टर अपने साथ पेनाल्टी की रसीद साथ लेकर चल रहे हैं। अभी तक इंस्पेक्टर, छोटे अपराधों में भी केस बनाने में ही उलझे रहते थे। नियम का उल्लंघन करने वाले यात्री व उनके स्वजन कानूनी प्रक्रिया पूरी करने में परेशान हो जाते थे। नई व्यवस्था में कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मौके पर ही कार्रवाई होने से नियमों के पालन को और प्रभावी बनाया जा सकेगा। इस बदलाव का उद्देश्य छोटे मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए न्यायिक प्रक्रिया पर अनावश्यक बोझ कम करना और रेलवे परिसरों में स्वच्छता व अनुशासन बनाए रखना है। रेल मंत्रालय ने संशोधित जन विश्वास अधिनियम में लगने वाला न्यूनतम जुर्माना 250 को बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया है। यह अभियान आरपीएफ इंस्पेक्टर योगेश राना के नेतृत्व में चलाया गया।

अनधिकृत प्रवेश और रेल लाइन पार करने वाले 67, रेलवे स्टेशन व ट्रेनों में अवैध वेंडिंग करने वाले 109,दिव्यांग और एसएलआर बोगियों में यात्रा करने वाले 13,रेलवे स्टेशनों पर अवैध पार्किंग करने वाले 62, महिला बोगी में यात्रा करने वाले पुरुष तीन,स्टेशन परिसर में धूमपान करने वाले दो ।

इनका कहना है :

आरपीएफ को रेलवे एक्ट की जिन धाराओं में गिरफ्तारी की कार्रवाई करते हुए कोर्ट में पेशी का अधिकार था, उनमें से ही कुछ धाराओं में संशोधित -जन विश्वास अधिनियम के अंतर्गत पेनाल्टी का भी अधिकार मिला है। झांसी मंडल में संशोधित जन विश्वास अधिनियम लागू है।

– जितेंद्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ

हिस्ट्रीशीटर ने लूट ली तीन क्विंटल हड्डियां

झांसी जयूसं। एक हिस्ट्रीशीटर ने अपने साथियों के साथ मिलकर तीन क्विंटल हड्डियां लूट लीं है। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के सैंयर गेट बाहर रहने वाले सैफ कुरैशी ने अदालत में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया था कि उसके पास जिला पंचायत से मृत पशुओं के शव निस्तारण का ठेका है। ठेके के तहत प्राप्त हड्डियां वह भगवंतपुरा स्थित गोदाम में रखता है। 5 जून की शाम हिस्ट्रीशीटर रसीद उर्फ पिस्टन, मुस्तकीम, बंटू शाह, शब्बीर कुरैशी एवं नफीस कुरैशी के साथ उसके गोदाम में घुस आया। उन लोगों के पास तमंचा था। आरोपियों ने उसे धमकाते हुए जान से मारने की धमकी दी। गोदाम से करीब तीन कुंतल हड्डियां लूटकर ले गए। घटना गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी मगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। सुनवाई के बाद अदालत ने सदर बाजार थाना प्रभारी को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। इस आदेश के तहत सदर बाजार पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर रसीद उर्फ पिस्टन, मुस्तकीम, बंटू शाह, शब्बीर कुरैशी एवं नफीस कुरैशी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। इस संबंध में सदर बाजार ताना प्रभारी महेश कुमार का कहना है कि अदालत के आदेश के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। मामले की विवेचना की जा रही है।

सनातन धर्म जागरण व सम्मान समारोह का आयोजन

कार्यक्रम का समापन वंदेमातरम से हुआ

झांसी जयूसं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, किले के पास, झाँसी में हिंदी साहित्य भारती (अंतरराष्ट्रीय) का सनातन धर्म जागरण एवं ससम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सनातन के अनन्य उपासक एवं सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय एवं हिंदी साधक डॉ. जयंती प्रसाद नौटियाल (देहरादून) को किया शाल?, श्रीफल, सम्मान पत्र एवं नगद धनराशि देकर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम में कुरूक्षेत्र से पधारे पूज्य महामंडलेश्वर डॉ. शाश्वतानंद गिरि महाराज, शीर्षक शिक्षक - विधायक डॉ.बाबूलाल तिवारी एवं बुन्देलखण्ड विश्ववि?द्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय, राष्ट्रीय महामंत्री रामनिवास शुक्ल विशिष्ट अतिथि के रुप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रवींद्र शुक्ल ने की । संचालन संयुक्त महामंत्री निशांत शुक्ल ने एवं आभार प्रदेश अध्यक्ष नेव्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन वंदेमातरम गायन के साथ हुआ। इस गरिमामय समारोह में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्वनी कुमार उपाध्याय दिल्ली, जयंती प्रसाद? नौटियाल देहरादून, वरिष्ठ व्यापारी पवन सरावगी एवं समाज सेवी एडवोकेट संजय वर्मा को सम्मानित किया गया। संजय तिवारी राष्ट्रवादी एवं राजेश तिवारी मक्खन एवं नीरज सिंह ने नये सदस्यों को पट्टिका पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री हरगोविंद कुशवाहा एडवोकेट, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रमोद? शिवहरे, आचार्य अविनाश, आचार्य मनोज चतुर्वेदी, वसंत बिष्णु गोलवलकर, छारद्वारी महंत,जयदेव पुरोहित, वीरेश्वर? शुक्ला,अशोक आनंदानी, बुंदेलखंड प्रेस वैलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष शीतल तिवारी, सुदर्शन शिवहरे, डॉ.मनमोहन मनु, श्रीमती उर्मिला पटैरिया, मंजुलता सक्सैना, आर. एन . त्रिपाठी, अवधेश कुमार रिछारिया एड, डॉ.बी.बी.त्रिपाठी, आलोक शांडिल्य, संजय दुबे सहित सैकडों सदस्य एवं प्रबुद्ध गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

यूट्यूबर समेत दो पर रंगदारी माँगने पर मुकदमा

झांसी जयूसं। चिरगांव थाने की पुलिस ने यूट्यूबर व उसके साथी के खिलाफ रंगदारी न देने व हत्या करने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चिरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम हवेली निवासी अभिषेक पराशर ने चिरगांव थाने में लिखित तहरीर देते हुए बताया है कि एक माह पूर्व सत्यवृत यादव उर्फ सत्या निवासी पहलापुरा व बृजपाल सिंह उर्फ अम्मू यादव निवासी ग्राम सिया ने उसको बुलाया और कहने लगे कि यदि तुमको और तुम्हारे परिवार को चिरगांव में रहना है तो उसे दस हजार रुपया दो नहीं तो तुम्हें और तुम्हारे परिवार को जान से खत्म कर देंगे। इससे व भयभीत हो गया और उसके अगले दिन में अपने मित्र इंद्रजीत राजपूत निवासी हवेली मोहल्ला के साथ दस हजार रुपए लेकर इनको दिए देने के उपरान्त उसके मित्र इंद्रजीत ने कहा कि किस बात के पैसे आपने इन दोनों को दिए, तभी उसने अपने मित्र से कहा कि किसी से कहना मत, मैं अपने व अपने परिवार के प्राण बचा रहा हूं। इसके बाद 14 जुलाई को रामनगर तिराहे पर लगभग रात्रि 10.30 बजे आस पास इन दोनों लोग सत्यवृत व बृजपाल ने उससे बीस हजार रुपये की मांग की और कहा कि यदि पैसे नहीं दिए तो जान से खत्म कर देंगे और जीवित नहीं रहने देंगे। पुलिस ने यूट्यूबर सत्यवृत यादव व बृजपाल सिंह के खिलाफ दफा 308 (5), 308 (4), 351 (3) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि यूट्यूबर ने एक विधायक के भाई से भी गाली गलौज की है। इसकी जांच की जा रही है। ऐसे आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

वीरांगनाओं संग संस्थान ने रानी के जन्म की तिथि पर दी उन्नीस की मासिक सलामी

झाँसी जयूसं। मानव विकास संस्थान के तत्वावधान में इंजी. पी एन गुप्ता की अध्यक्षता , राष्ट्रीय कन्वीनर अशोक अग्रवाल काका व रमेश कुमार दुबे के संयोजन में आज रानी झांसी के जन्म की तिथि पर सदर बाजार में उनकी प्रतिमा तले उन्नीस की सलामी देते हुए उन्हें नमन किया गया। आरम्भ में वन्देमातरम् गायन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ तत्पश्चात रानी लक्ष्मीबाई द्वारा देश के साथ- साथ विदेशों में भी रानी झांसी के शौर्य की गाथा का गुणगान किया गया। विशेष रूप से उपस्थित अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा की महिला संयोजिका नीलम अग्रवाल ने महारानी लक्ष्मीबाई के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए आगामी पीढ़ी को उनसे प्रेरित होने की आवश्यकता पर बल दिया। सभी उपस्थित लोगों ने रानी झांसी के जयकारों के साथ वन्देमातरम् व भारत माता की जय का घोष किया। सभी उपस्थित जन ने रानी को नमन करते हुए उन्हें सलामी दी। इस अवसर पर चेयर पर्सन डॉ.केश गुप्ता , उमा रानी , रीना , अंजू , आशा , शोभा , अंजना व समाधान प्रतिनिधि रोहित यादव , अरुण शर्मा , अजय श्रीवास्तव , रामाधीन यादव , कुमार माते , अभिषेक देव , आदि ने सक्रिय सहभागिता की। सदर विधायक समाधान प्रतिनिधि रोहित यादव ने संस्थान द्वार निरन्तर जारी सलामी कार्यक्रम के लिए साधुवाद देते हुए रानी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन कोर कमेटी चेयरमैन डॉ ध्रुव सिंह यादव ने व सभी आभार सचिव अनिल कुमार साहू ने व्यक्त किया।

झांसी मंडल में रेल परिचालन हुआ और अधिक सुरक्षित

विभिन्न रेलखंडों पर सेक्शनल स्पीड बढ़ाई गई, तीन समपार फाटक स्थायी रूप से बंद

झांसी जयूसं। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के कुशल मार्गदर्शन में झांसी मंडल रेल अवसंरचना के आधुनिकीकरण, सुरक्षित परिचालन तथा यात्रियों को तेज़ एवं बेहतर रेल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में मंडल के विभिन्न रेलखंडों पर तकनीकी उन्नयन एवं आवश्यक सुरक्षा मानकों की पूर्ति के उपरांत सेक्शनल स्पीड में वृद्धि की गई है। साथ ही, सड़क एवं रेल यातायात की सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तीन समपार फाटकों को स्थायी रूप से बंद किया गया है।

रेल परिचालन की गति बढ़ाने की दिशा में किए गए कार्यों के अंतर्गत संदललपुर-सिथौली 'ए' केबिन के मध्य तृतीय रेल लाइन पर अधिकतम सेक्शनल स्पीड 100 किमी/घंटा से बढ़ाकर 110 किमी/घंटा की गई है। इसी प्रकार दतियाङ्कडबरा तृतीय लाइन खंड पर भी सेक्शनल स्पीड 100 किमी/घंटा से बढ़ाकर 110 किमी/घंटा कर दी गई है।

ग्वालियर-श्योपुर रेलखंड पर नवनिर्मित ब्रॉडगेज लाइन में रायरू-जौरा अलापुर खंड पर गति सीमा 90 किमी/घंटा से बढ़ाकर 110 किमी/घंटा तथा जौरा अलापुर-कैलारस खंड पर 75 किमी/घंटा से बढ़ाकर 100 किमी/घंटा कर दी गई है। इसके अतिरिक्त खैरार-मानिकपुर रेलखंड के बांदा-खुरहंड के मध्य नवनिर्मित द्वितीय डाउन लाइन पर भी अधिकतम सेक्शनल स्पीड 90 किमी/घंटा से बढ़ाकर 100 किमी/घंटा कर दी गई है।इसके साथ ही हेतमपुर-धौलपुर तृतीय लाइन खंड पर भी गति सीमा 80 किमी/घंटा से बढ़ाकर 100 किमी/घंटा कर दी गई है। वहीं, परिचालन की सुगमता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए उदयपुरा-टीकमगढ़ खंड के एलपीजीसीएल केबिन, खैरार-मानिकपुर खंड के डिंगवाई एवं खुरहंड स्टेशन तथा झांसी-ग्वालियर खंड के सिथौली 'ए' केबिन पर स्थित विभिन्न क्रॉसओवर एवं कॉमन लूप लाइनों पर अनुमेय गति 15 किमी/घंटा से बढ़ाकर 30 किमी/घंटा कर दी गई है। इन तकनीकी सुधारों से ट्रेनों की औसत गति में वृद्धि होगी, परिचालन अधिक सुचारु बनेगा तथा समयपालन में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। साथ ही, माल एवं यात्री दोनों प्रकार की रेल सेवाओं की क्षमता और दक्षता में वृद्धि होगी।

रेल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए झांसी मंडल में माह के दौरान तीन समपार फाटकों को स्थायी रूप से बंद किया गया है। इनमें वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-मानिकपुर रेलखंड का समपार फाटक संख्या 476, महोबा-खजुराहो रेलखंड का समपार फाटक संख्या 2 तथा वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-ग्वालियर रेलखंड का समपार फाटक संख्या 409 शामिल हैं। इन समपार फाटकों के बंद होने से अनधिकृत सड़क पारगमन की संभावना में कमी आएगी तथा रेल एवं सड़क दोनों यातायात की सुरक्षा और अधिक सुदृढ़ होगी। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने कहा कि झांसी मंडल यात्रियों को सुरक्षित, तीव्र एवं विश्वसनीय रेल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अधोसंरचना विकास, तकनीकी उन्नयन तथा सुरक्षा संबंधी सुधारों को निरंतर गति दे रहा है।

वरिष्ठ नागरिक परिसंघ की केंद्रीय कार्यकारी समिति की दो दिवसीय बैठक सम्पन्न

वरिष्ठ नागरिकों सेजुड़े कई अहम मुद्दों पर हुआ विचार विमर्श

झांसी जयूसं। भारतीय मजदूर महासंघ द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिक परिसंघ के तत्वावधान मेंकेंद्रीय कार्यकारी समिति की दो दिवसीय बैठक में देश भर के विभिन्न राज्यों से आए पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सहभागिता की। शनिवार और रविवार को स्थानीय होटल में आयोजित बैठक में देश भर के वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया। दिसंबर 2025 में हुबली -कर्नाटक, में हुई पिछली बैठक के बाद से अब तक की प्रगति की समीक्षा के साथ ही हैदराबाद -तेलंगाना में 3 और 4 अक्टूबर 2026 को होने वाली अगली बैठक के लिए लक्ष्य भी तय किए गए। वक्ताओं ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए इस संगठन का गठन किया है। भारत में वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। सर्वेक्षण के अनुसार, दिसंबर 2024 के अंत तक वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या लगभग 14.90 करोड़ थी। जिसमें महिलाओं की जनसंख्या 52 प्रतिशत है, जबकि पुरुषों की जनसंख्या 48 प्रतिशत है। इसी प्रकार, ग्रामीण क्षेत्रों में भी जनसंख्या शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। भारत में वरिष्ठ नागरिकों को जिन मुख्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, वे परिवार, समाज, आर्थिक स्थिति, स्वास्थ्य और सबसे महत्वपूर्ण रूप से अकेलेपन से संबंधित हैं। एक एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, वरिष्ठ नागरिकों की कुल आबादी का लगभग 70 प्रतिशत मानसिक तनाव से ग्रस्त है। यह संगठन मुख्य रूप से इसी समस्या से संबंधित है।

वीएनपी ने 19 और 20 मार्च 2025 को जयपुर में आयोजित अपने अखिल भारतीय सम्मेलन में पारित विभिन्न प्रस्तावों में सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए रेलवे टिकट बुकिंग में छूट बहाल करना,सीनियर सिटिज़न पर तेज़ महंगाई, कीमतों में बढ़ोतरी और ब्याज दरों का असर,सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ,जिसे आयुष्मान भारत के नाम से भी जाना जाता है, पर चर्चा, ईपीएस 95 योजना के अंतर्गत आने वाले सेवानिवृत्तों को दी जाने वाली पेंशन से संबंधित मामले, भारत सरकार को वरिष्ठ नागरिकों के लिए फोटो पहचान पत्र जारी करने आदि हेतु भारत सरकार से अनुरोध किया गया कि वह इन मांगों पर ध्यान दें, मानवता के आधार पर यथाशीघ्र विचार किया जाए,क्योंकि ये समस्याएं वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित हैं। वक्ताओं ने कहा कि विभिन्न मांगों पर विचार एवं समस्याओं के समाधान हेतु लम्बे समय से सरकार से लगातार अनुरोध किया जा रहा है और आगे भी प्रयास जारी रहेंगे। हैदराबाद (तेलंगाना) में 3 और 4 अक्टूबर 2026 को होने वाली अगली बैठक के लिए लक्ष्य तय करने के संकल्प के साथ बैठक का समापन किया गया।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि रमन,राष्ट्रीय महामंत्री चन्द्र कांत देशपांडे,बीएमएस सचिव अशोक कुमार, प्रदेश अध्यक्ष राधे कृष्ण तिवारी, कार्यकारी अध्यक्ष विश्वेश्वर राय, संगठन मंत्री ओपीएन तिवारी, प्रदेश महामंत्री संतराम वर्मा, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष जीपी सोनी एड.,केपी पांडेय, चन्द्रकांत चतुर्वेदी -भारतीय मजदूर संघ के प्रदेशी नेता एवं भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष मैथिलीशरण मुदगिल आदि मौजूद रहे।

पीठ दर्द और मानसिक तनाव की बढ़ी समस्या

- आकर्ण धनुरासन एक अचूक और प्रभावी योगासन
- पेट के अंगों पर पड़ने वाले दबाव से पाचन क्रिया सुधार

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आधुनिक जीवनशैली में पीठ दर्द, कंधों की जकड़न और मानसिक तनाव एक आम समस्या बन गई है। ऐसे में आकर्ण धनुरासन एक अचूक और प्रभावी योगासन की तरह काम करता है। यह आसन न केवल शारीरिक लचीलापन और शक्ति को बढ़ाता है, बल्कि साधक में एकाग्रता और मानसिक दृढ़ता का संचार भी करता है।

संस्कृत के तीन शब्दों 'आ' (तक), 'कर्ण' (कान), और 'धनुष' (कमान) से मिलकर बने इस आसन का शाब्दिक अर्थ है 'कान तक धनुष को खींचना'। यह आसन मुख्य रूप से जांघों, कूल्हों और कंधों के लचीलेपन को बढ़ाने और एकाग्रता में सुधार करने में मदद करता है।

आयुष मंत्रालय ने इस आसन को शरीर में शक्ति, संतुलन और लचीलापन लाने वाला प्रभावी योगाभ्यास बताया है। उनके अनुसार, यह मुद्रा साधक को धनुष की तरह आकार देती है, जिससे एकाग्रता बढ़ती है और रीढ़, पीठ तथा पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

आकर्ण धनुरासन के नियमित अभ्यास से पीठ, कंधे और छाती की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। रीढ़ की हड्डी लचीली और स्वस्थ बनी रहती है, जिससे पीठ दर्द में काफी राहत मिलती है। पेट के अंगों पर पड़ने वाले दबाव से पाचन क्रिया सुधरती है और कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं। पैरों, जांघों और कूल्हों की मांसपेशियां खिंचती हैं। यह आसन संतुलन और एकाग्रता को भी बेहतर बनाता है। मानसिक स्तर पर यह मुद्रा आत्मविश्वास की भावना को मजबूत करती है।

एक्सपर्ट के अनुसार, आकर्ण धनुरासन शरीर और मन दोनों में संतुलन स्थापित करने वाला एक शक्तिशाली योगासन है, जो योग साधकों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होता है, हालांकि शुरुआत में लोगों को किसी योग प्रशिक्षक की देखरेख में ही यह आसन करना चाहिए। आसन के अभ्यास के दौरान शरीर पर किसी तरह का दबाव नहीं डालना चाहिए।

अगर आपकी पीठ (स्पाइन) या गर्दन में कोई गंभीर विकार या चोट है, तो इस आसन को करने से बचें। अभ्यास के दौरान किसी विशेषज्ञ की निगरानी में करें और शरीर पर जबरदस्ती दबाव न डालें।

मुंह की अच्छी सेहत के लिए 'गंडूषा' का अभ्यास

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय की ओर से मुंह की सेहत को अच्छा रखने के लिए पारंपरिक उपचार पद्धति गंडूषा की प्रैक्टिस को लेकर जानकारी साझा की गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में आयुष मंत्रालय ने लिखा कि अपने दिन की शुरुआत गंडूषा से करें, जो एक पुरानी आयुर्वेदिक ओरल केयर प्रैक्टिस है और मुंह की पूरी सेहत में मदद करती है। 'एक हेल्दी दिनचर्या के हिस्से के तौर पर यह पारंपरिक माउथ रिंस ज्यादा प्यास को रोकने, स्वाद समझने की क्षमता को बेहतर बनाने और नैचुरली मुंह की सफाई बनाए रखने में मदद करता है। इस आसान रोजाना की आदत को अपनाएं और आयुर्वेद के फायदों का अनुभव करें। एक बार में एक ध्यान देने वाली आदत अपनाएं।' अर्धचक्रासन (हाफ व्हील पोज) रीढ़ की हड्डी की फ्लेक्सिबिलिटी को बेहतर बनाने, पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करने और बेहतर पोस्चर में मदद करता है। रेगुलर प्रैक्टिस से, सही गाइडेंस में सही तरीके से करने पर, सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस के मैनेजमेंट में भी मदद मिल सकती है। बीते दिन आयुष मंत्रालय ने नारी बनने से लेकर मां बनने तक एक बैलेंस्ड लाइफस्टाइल के बारे में पोस्ट शेयर किया था। मंत्रालय की ओर से लिखा गया था, नारी बनने से लेकर मां बनने तक एक बैलेंस्ड लाइफस्टाइल अपनाना मां और बच्चे दोनों की सेहत के लिए बहुत जरूरी है। पूरा आराम, अच्छी साफ-सफाई, रेगुलर फिजिकल एक्टिविटी और समय पर एंटीनेटल चेक-अप एक हेल्दी प्रेग्नेंसी और बच्चे के जन्म के अच्छे अनुभव में मदद करते हैं।

पवन चंदाना और नागा भरत डाका ने निजी स्पेस क्षेत्र में रचा इतिहास

- 1,000 से अधिक प्रोफेशनल्स की टीम रॉकेट डिजाइन, प्रोपल्शन, एवियोनिक्स और लॉन्च सिस्टम्स पर कर रही है काम

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। वर्ष 2018 में इसरो के दो पूर्व वैज्ञानिकों द्वारा शुरू किया गया एक महत्वाकांक्षी सपना आज भारत के निजी स्पेस सेक्टर की सबसे बड़ी सफलता की कहानी बन चुका है। पवन कुमार चंदाना और नागा भरत डाका के नेतृत्व में स्काईरूट एयरोस्पेस ने भारत का पहला सफल निजी ऑर्बिटल लॉन्च कर इतिहास रच दिया है।

इसरो के पूर्व वैज्ञानिक पवन कुमार चंदाना और नागा भरत डाका ने वर्ष 2018 में हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस की स्थापना इस उद्देश्य के साथ की थी कि सैटेलाइट लॉन्च को भी कमर्शियल फ्लाइट की बुकिंग जितना आसान और किफायती बनाया जा सके। वर्तमान में पवन कुमार चंदाना कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) और नागा भरत डाका चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) के रूप में कंपनी का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में 1,000 से अधिक प्रोफेशनल्स की टीम रॉकेट डिजाइन, प्रोपल्शन, एवियोनिक्स और लॉन्च सिस्टम्स पर काम कर रही है। करीब दो दशक पहले पवन कुमार चंदाना ने पहले ही प्रयास में आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास की और आईआईटी खड़गपुर में दाखिला लिया। जहां अधिकांश इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स ने टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में उच्च वेतन वाली नौकरियों का रास्ता चुना, वहीं चंदाना का जुनून स्पेस और रॉकेट थे।

इसी जुनून ने उन्हें इसरो तक पहुंचाया, जहां आईआईटी खड़गपुर कैंपस से उनका सीधे चयन हुआ। इसरो में उन्होंने भारत के सबसे शक्तिशाली लॉन्च व्हीकल जीएसएलवी मार्क-3 पर काम किया और उसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें इसरो का इंटरनल इनोवेशन अवॉर्ड भी मिला। तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर में 6 वर्षों तक काम करते हुए उन्होंने रॉकेट डिजाइन और डेवलपमेंट का व्यापक अनुभव हासिल किया तथा भारत के बढ़ते स्पेस प्रोग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं, नागा भरत डाका स्काईरूट एयरोस्पेस के को-फाउंडर और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) हैं। कंपनी शुरू करने से पहले वह इसरो में फ्लाइट कंप्यूटर इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे, जहां उन्होंने भारतीय लॉन्च व्हीकल्स के लिए कई एवियोनिक्स मॉड्यूल्स का डिजाइन और विकास किया।

आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र नागा भरत डाका के पास माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स एंड वीएलएसआई डिजाइन में मास्टर्स की डिग्री है। इसके अलावा उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बैचलर्स डिग्री भी हासिल की है। उन्हें एवियोनिक्स, सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी, और एफपीजीए (फील्ड-प्रोग्रामेबल गेट एरे) सिस्टम्स का व्यापक अनुभव है। यही विशेषज्ञता स्काईरूट एयरोस्पेस के लॉन्च व्हीकल्स के विकास में बेहद महत्वपूर्ण साबित हुई है।

एक समय था, जब कोई भी निवेशक कंपनी को फंडिंग करने को तैयार नहीं था। वहीं सबसे पहले फ्लिपकार्ट के सह-संस्थापक बिन्नी बंसल ने उन पर भरोसा जताया और निवेश किया। इसके कुछ ही समय बाद कोविड महामारी आ गई और कंपनी के सामने भी संकट खड़ा हो गया। लेकिन इसी मुश्किल दौर में ग्रीनको ने उनका साथ दिया। बाद में कंपनी ने 51 मिलियन डॉलर और फिर 60 मिलियन डॉलर की बड़ी फंडिंग जुटाई। आज जीआईसी और टेमासेक जैसे वैश्विक निवेशक भी कंपनी पर भरोसा जता चुके हैं और इसकी वैल्यूएशन 1.1 अरब डॉलर तक पहुंच चुकी है।

साल 2020 में स्काईरूट ने 'रमन-1' इंजन का सफल परीक्षण कर भारत की पहली निजी कंपनी होने का गौरव प्राप्त किया। फिर 'धवन-1' क्रायोजेनिक इंजन आया, और फिर 2021 में इसरो के साथ पहला निजी समझौता हुआ। 18 नवम्बर 2022 को 'विक्रम-एस' लॉन्च हुआ और इस तरह भारत ने पहली बार निजी रॉकेट को आसमान में उड़ते देखा।

72वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेताओं की घोषणा

- कार्तिक आर्यन व मम्मूटी सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, 'आर्टिकल 370' के लिए यामी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित

मुंबई, (एजेंसियां)। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा शनिवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में की गई। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और मलयालम सिनेमा के दिग्गज मम्मूटी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मम्मूटी को फिल्म 'ब्रह्मयुगम' के

लिए यह पुरस्कार मिला, जबकि कार्तिक को खेल पर आधारित बायोपिक 'चंदू चैंपियन' में उनके अभिनय के लिए सम्मानित किया गया।

वहीं, अभिनेत्री यामी गौतम को फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया। मल्टीस्टारर फिल्म 'कल्कि 2898 ईस्वी' को संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म घोषित किया गया।

राजकुमार राव अभिनीत फिल्म 'श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला। निर्देशक सुकुमार को 'पुष्पा 2' के लिए सर्वश्रेष्ठ पटकथा का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया। संगीतकार शाश्वत सचदेव को 'आर्टिकल 370' के लिए सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन का पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिजाइन का पुरस्कार 'कल्कि 2898 ईस्वी' को मिला, जबकि 'स्त्री 2' को सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी का पुरस्कार दिया गया।

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2024 में भारतीय सिनेमा में उत्कृष्टता को मान्यता देते हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा की गई। पुरस्कारों का मूल्यांकन 11 सदस्यीय केंद्रीय जूरी द्वारा किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रख्यात मलयालम फिल्म निर्माता जयराज ने की। जयराज ने देश भर से प्राप्त प्रविष्टियों की समीक्षा करने के बाद अंतिम चयन प्रक्रिया का संचालन किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) द्वारा किया जाता है और इसमें एक सुव्यवस्थित निर्णायक मंडल होता है। इन पुरस्कारों का उद्देश्य सार्वजनिक पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर, औपचारिक प्रस्तुति को बनाए रखते हुए भारतीय सिनेमा की कलात्मक और तकनीकी उपलब्धियों का सम्मान करना है।

दोनों टीमों के कोचों की रणनीति से तय होगा नतीजा : अमिताभ बच्चन

मुंबई, (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबले डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना और स्पेन के बीच खेला जाना है। इस बीच विश्व कप के खिताबी मुकाबले को लेकर बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन का कहना है कि टूर्नामेंट में बचे सभी खिलाड़ी सुपरस्टार हैं, लेकिन असली विजेता का फैसला कोच की रणनीति और समझदारी से होगा। अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना के साहसी सब्स्टिट्यूशन (खिलाड़ी बदलने) पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने इस जोखिम भरे, लेकिन निर्णायक कदम की तारीफ करते हुए इसे निडर गेम मैनेजमेंट का सबूत बताया। बिग बी ने अपने ब्लॉग पर लिखा कि जब आप चैंपियनशिप के आखिरी पड़ाव पर पहुंचते हैं और आपस में मुकाबला करने के लिए सिर्फ 4 टीमें बची होती हैं तो भविष्यवाणी करना मुश्किल होता है। भविष्यवाणियां आपके पसंदीदा के प्रति आपके प्यार और लगाव पर आधारित होती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इस स्टेज पर हम 44 खिलाड़ियों की बात कर रहे हैं। सेमीफाइनल से फाइनल तक, हर टीम में 11 खिलाड़ी और मुकाबले के इस स्टेज पर हर खिलाड़ी एक सुपरस्टार है। उन्होंने कहा कि आप एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी हैसियत नहीं बदल सकते, लेकिन जरूरत इस बात की है कि उन्हें कैसे मैनेज किया जाए और यहीं कोच या मैनेजर की भूमिका आती है। इसी वजह से रविवार को होने वाला फाइनल स्पेनिश कोच और अर्जेंटीना के कोच के बीच मुकाबला होगा।

प्रियंका चोपड़ा के बर्थडे पर 'वाराणसी' से सामने आया 'मंदाकिनी' का फर्स्ट लुक

मुंबई, (एजेंसियां)। ग्लोबल आइकन अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के जन्मदिन के मौके पर निर्देशक एस.एस. राजामौली समेत फिल्म वाराणसी की टीम ने अभिनेत्री का पहला लुक जारी किया, जिसमें उन्हें फिल्म में उनके किरदार मंदाकिनी के रूप में दिखाया गया है। मशहूर निर्देशक एस.एस राजामौली ने इंस्टाग्राम पर प्रियंका की दो तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इंटेंस अवतार में नजर आ रही हैं। काले रंग की कॉर्सेट-स्टाइल आउटफिट में अभिनेत्री तीखे एक्सप्रेशन दे रही हैं। गर्म, एम्बर लाइट वाले बैकग्राउंड के सामने यह तस्वीर मंदाकिनी के किरदार के पावरफुल साइड की ओर इशारा करती है।

वहीं, दूसरी तस्वीर में प्रियंका बेफिक्र और मस्तमौला अंदाज में हैं। व्हाइट क्रॉप टॉप, ब्लैक कार्गो पैंट और कंधों पर बेज जैकेट पहने एक्ट्रेस हाथ फैलाकर हवा में उछलती हुई दिख रही हैं। अभिनेत्री की मुस्कान, उनके कैरेक्टर का जिक्र राजामौली ने अपने कैप्शन में किया। उन्होंने लिखा कि जब वह मुस्कुराती है तो बहुत प्यारी और सुकून देने वाली लगती है और जब नहीं मुस्कुराती, तो उसके गुस्से और तेवर आग जैसे लगते हैं। इसी के साथ ही, प्रियंका चोपड़ा के सह-कलाकार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन ने भी इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री का पहला लुक शेयर किया। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा आगामी फिल्म वाराणसी के साथ भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। इसमें उनके साथ महेश बाबू 'रुद्र' नाम का एक कैरेक्टर निभा रहे हैं।

फोर्टिस हॉस्पीटल मानेसर ने शहर के पहले लंग फेलियर क्लीनिक का उद्घाटन किया

मानेसर (एजेंसियां)। फोर्टिस हॉस्पीटल मानेसर ने शहर के पहले लंग फेलियर क्लीनिक का उद्घाटन किया जहां एडवांस और एंड-स्टेज लंग डिजीज (फेफड़ों के गंभीर एवं अंतिम चरण के रोगों) से पीड़ित मरीजों के उपचार एवं देखभाल की व्यापक रूप से सुविधाएं सुलभ करायी गई हैं। इस क्षेत्र में अपनी तरह के ऐसे गिने-चुने स्पेश्यलाइज्ड क्लीनिकों में से एक, लंग फेलियर क्लीनिक में लंग ट्रांसप्लांटेशन सेवाओं समेत एडवांस लंग फेलियर के प्रबंधन की व्यापक सेवाएं उपलब्ध करायी गई हैं। क्लीनिक का संचालन प्रत्येक बुधवार तथा शुक्रवार को दोपहर 2.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे के दौरान फोर्टिस हॉस्पीटल मानेसर में किया जाएगा जहां इसकी कमान डॉ गोविनी बालासुब्रमणि, डायरेक्टर - लंग ट्रांसप्लांट एंड एडवांस लंग फेलियर, ग्लेनईगल्स हॉस्पीटल, चेन्नई (फोर्टिस नेटवर्क के अंतर्गत कार्यरत अस्पताल) तथा डॉ कर्ण मेहरा, सीनियर कंसल्टेंट एंड यूनिट हेड - एडवांस लंग फेलियर एंड ट्रांसप्लांट पल्मोनोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पीटल मानेसर संभालेंगे।

क्लीनिक में एडवांस लंग फेलियर से ग्रस्त मरीजों को उनके रोग के विस्तृत मूल्यांकन, मेडिकल थेरेपी ऑप्टीमाइजेशन, तथा लंग ट्रांसप्लांटेशन के लिए उपयुक्तता संबंधी परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। उपयुक्त पाए जाने वाले मरीजों के लिए प्री-ट्रांसप्लांट काउंसलिंग, विस्तृत क्लीनिकल जांच और पोस्ट-ट्रांसप्लांट फॉलो-अप की सेवाएं ट्रांसप्लांट विशेषज्ञों के सहयोग से सुनिश्चित की जाएंगी। इसके अलावा, मरीजों के लिए एडवांस पल्मोनोरी फंक्शन टेस्टिंग, ब्रॉन्कोस्कोपी तथा इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी प्रक्रियाओं, पल्मोनेरी रीहेबिलिटेशन प्रोग्रामों, पोषण संबंधी परामर्श, नींद के मूल्यांकन, नॉन-इन्वेसिव वेंटिलेशन सपोर्ट और व्यक्तिगत मरीज शिक्षा की सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

दर्द को गीतों में पिरोकर अमर हो गए शब्दों के जादूगर गोपालदास 'नीरज'

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। 4 जनवरी 1925 को उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के पुरावली गांव में जन्मे गोपालदास सक्सेना उर्फ 'नीरज' का शुरुआती जीवन तंगहाली में गुजरा। मात्र 6 वर्ष की उम्र में पिता का साया सिर से उठ जाने के कारण उन पर परिवार की जिम्मेदारी आ गई। घर का चूल्हा जलाने के लिए उन्होंने पेट की खातिर गंगा नदी में गोता लगाकर श्रद्धालुओं द्वारा फेंके गए सिक्के बटोरे, गलियों में घूम-घूमकर बीड़ी-सिगरेट बेची और यहां तक कि दीवारों पर फिल्मों के पोस्टर भी चिपकाए। उन्होंने शायद ही कभी सोचा होगा कि एक दिन उन्हीं फिल्मी पोस्टरों पर उनका नाम बतौर देश के सबसे बड़े गीतकार सुनहरे अक्षरों में चमकेगा। तमाम आर्थिक झंझावातों के बावजूद उनकी पढ़ाई का शौक जिंदा रहा। 1942 में प्रथम श्रेणी में हाईस्कूल पास करने के बाद उन्होंने कचहरी में टाइपिस्ट और क्लर्क का काम करते हुए अपनी शिक्षा जारी रखी तथा 1953 में हिंदी साहित्य से एमए की डिग्री हासिल की। इसी दौरान, उनका पहला काव्य-संग्रह 'संघर्ष' प्रकाशित हुआ, जिसने साहित्य जगत में उनकी उपस्थिति दर्ज कराई। 23 वर्ष की आयु में उन्हें एक संपन्न घराने की लड़की से मोहब्बत हो गई, लेकिन कठोर सामाजिक बंधनों के कारण वे एक न हो सके। यह व्यक्तिगत त्रासदी उनके साहित्यिक जीवन का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुई। सुबह जब अपने एक दोस्त की छत से उन्होंने अपनी प्रेमिका की विदा होती डोली देखी, तो उन्होंने एक ऐसा गीत लिखा जो हिंदी साहित्य और संगीत का मील का पत्थर बन गया। वह गीत था, 'स्वप्न झरे फूल से, मीत चुभे शूल से, लुट गए सिंगार सभी बाग के बबूल से और हम खड़े-खड़े बहार देखते रहे, कारवां गुजर गया गुबार देखते रहे।'

व्यक्तिगत दुख को सार्वभौमिक दर्शन में बदलने वाला यह गीत जब रेडियो पर प्रसारित हुआ, तो इसने गोपालदास नीरज को रातोंरात पूरे देश का चहेता बना दिया। अध्यापन के क्षेत्र में कदम रखते हुए उन्होंने मेरठ कॉलेज में पढ़ाया, लेकिन प्रशासन द्वारा लगाए गए 'रोमांस' और कक्षाएं न लेने के झूठे आरोपों से आहत होकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसके पश्चात 1956 में वे अलीगढ़ के धर्म समाज कॉलेज में प्रोफेसर बन गए और अलीगढ़ ही उनका स्थायी ठिकाना बन गया। कवि सम्मेलनों में उनकी बढ़ती लोकप्रियता ने मायानगरी का ध्यान खींचा और निर्देशक आर चंद्रा उन्हें बम्बई ले आए। फिल्मों में उनके आगमन ने फिल्मी गीतों को एक नई साहित्यिक गरिमा प्रदान की। यह एक ऐसा दौर था जब उनके रचित गीत सीधे श्रोताओं की आत्मा में उतर जाते थे। प्रसिद्ध फिल्मी गीतों में नई उमर की नई फसल (1965) का कारवां गुजर गया रोशन के संगीत और मोहम्मद रफी की आवाज में है। कन्यादान (1968) का 'लिखे जो खत तुझे' शंकर-जयकिशन और रफी का गीत है। उनके इस अद्वितीय भावाई और काव्यात्मक योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें 1991 में पद्म श्री और 2007 में पद्मभूषण से सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें 1994 में यश भारती पुरस्कार से नवाजा। 19 जुलाई, 2018 को दिल्ली के एम्स अस्पताल में इस महान गीत-ऋषि ने अपनी अंतिम सांस ली। उन्होंने अपना पार्थिव शरीर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को चिकित्सा शोध के लिए दान कर दिया था।

एशियाई शेरों को लेकर अध्ययन में खुलासा

तटीय एशियाई शेर ज्यादातर जंगली शिकार पर निर्भर

- नीलगाय और जंगली सूअरों का शेर ज्यादातर कर रहे है शिकार
- तटीय जगहों पर 100 से ज्यादा एशियाई शेरों के होने का अंदाजा

गांधीनगर, (एजेंसियां)। गुजरात के तट पर रहने वाले एशियाई शेरों को लेकर एक स्टडी सामने आई है। नई साइंटिफिक स्टडी में पाया गया कि गुजरात के तट पर रहने वाले एशियाई शेर पालतू जानवरों के बजाय मुख्य रूप से जंगली शिकार पर निर्भर रहते हैं। इस स्टडी के बाद से यह पुरानी सोच बदल गई है कि यह प्रजाति मवेशियों की तलाश में गिर के जंगलों से आगे बढ़ी।

पीयर-रिव्यूड इंटरनेशनल जर्नल 'कंजर्वेशन' में छपी रिसर्च में पाया गया कि कोस्टल एशियाई शेरों द्वारा खाए जाने वाले बायोमास का लगभग 70 प्रतिशत जंगली शिकार से आता है, जो गिर प्रोटेक्टेड एरिया के बाहर इस प्रजाति के बढ़ते रहने की जगह की पारिस्थितिक व्यवहार्यता को दिखाता है। यह नतीजा तब सामने आया है जब 2025 में किए गए 16वें लायन पॉपुलेशन एस्टिमेशन के अनुसार, राज्य में एशियाई शेरों की आबादी 891 तक पहुंच गई है।

सौराष्ट्र, गुजरात, भारत के कोस्टल इकोसिस्टम में एशियाई शेरों का डाइटरी पैटर्न टाइटल वाली इस स्टडी के लेखक मोहन राम, आराधना साहू, नित्यानंद श्रीवास्तव, कुलदीप वदार, रोहित चौधरी और लहर झाला हैं। रिसर्चर्स ने मार्च और अप्रैल 2024 के दौरान जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर और पोरबंदर के तटीय जिलों से इकट्ठा किए गए 160 शेरों के मल के सैंपल का एनालिसिस किया। जूनागढ़ सर्कल के कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स और स्टडी के लेखकों में से एक मोहन राम ने कहा कि हमारी स्टडी में मार्च और अप्रैल 2024 के दौरान जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर और पोरबंदर के तटीय जिलों से इकट्ठा किए गए 160 शेरों के मल के सैंपल का एनालिसिस किया गया और हमारी स्टडी में पाया गया कि शेरों के खाने में जंगली शिकार का हिस्सा 64 प्रतिशत था, जबकि पालतू जानवरों का हिस्सा 31 प्रतिशत था। इस्तेमाल किए गए बायोमास के मामले में, जंगली शिकार का हिस्सा 70 प्रतिशत था, जबकि जानवरों का हिस्सा 30 प्रतिशत था।

उन्होंने कहा कि नीलगाय शेरों के मुख्य शिकार के रूप में उभरी है। राम ने कहा कि सभी शिकार प्रजातियों में से, नीलगाय शेरों के भोजन का मुख्य जरिया बन गई, जो खाए गए कुल बायोमास का आधे से ज्यादा (51 प्रतिशत) हिस्सा थी। जंगली सूअर दूसरा सबसे बड़ा जंगली शिकार थे, जबकि मवेशी सबसे बड़ा घरेलू शिकार थे। रिसर्चर्स ने कहा कि नतीजे उनकी असली सोच से उलट थे कि इंसानी आबादी वाले तटीय इलाकों में रहने वाले शेर जंगली शिकार की कम मौजूदगी के कारण जानवरों पर ज्यादा निर्भर रहेंगे। स्टडी का नतीजा यह निकला कि गुजरात के तटीय इलाकों में नीलगाय और जंगली सूअरों की अच्छी आबादी होने के कारण शेर ज्यादातर शिकार कर रहे हैं, जिससे जानवरों पर दबाव कम हो सकता है और इंसान-शेर के बीच टकराव को कम करने में मदद मिल सकती है। स्टडी के मुताबिक, गुजरात का तटीय इकोसिस्टम अब दक्षिण-पश्चिमी तट, दक्षिण-पूर्वी तट और भावनगर तट पर एशियाई शेरों की तीन जरूरी सैटेलाइट आबादी को सपोर्ट करता है। इन तटीय जगहों पर कुल मिलाकर 100 से ज्यादा एशियाई शेरों के होने का अंदाजा है, जो गिर के जंगलों से आगे इस प्रजाति के लगातार फैलने को दिखाता है।

संपादक की कलम से

बेटियों की सुरक्षा का संकट

तकनीक के विकास के साथ-साथ मानवीय मूल्य और संवेदनाएं कमजोर होती जा रही हैं। इससे सामाजिक संबंधों के समक्ष विश्वास का संकट पैदा हो गया है। मानवीय मूल्य वे मूलभूत नैतिक मानक एवं सिद्धांत होते हैं, जो हमारे आचरण को दिशा देते हैं, जबकि संवेदनाएं दूसरों के सुख-दुख को महसूस करने की क्षमता हैं। ये दोनों मिलकर व्यक्ति को सामाजिक रूप से जिम्मेदार इंसान बनाते हैं।

मगर जब मनुष्य की सोच से ये दोनों तत्त्व गायब हो जाएं, तो सभ्य समाज का आधार भी निर्बल हो जाता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और यौन दुर्व्यवहार की बढ़ती घटनाएं भी इसी का नतीजा है। घरेलू हिंसा को तो समाज में कई बार सामान्य घटना के रूप में देखा जाता है। यही वजह है कि सख्त कानून होने के बावजूद इस तरह की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।

कई बार यौन दुर्व्यवहार के मामलों में दोषी को न्याय के कठघरे में लाने के बजाय समाज पीड़िता के पहनावे, रहन-सहन या आचरण को दोषी ठहराने लगता है। इससे ऐसा लगता है कि पितृसत्तात्मक समाज अपराधी को बचाने और महिलाओं को प्रताड़ित करने का समर्थन कर रहा है। स्त्रीवादी कैथरीन मैककिनन का मानना है कि बलात्कार पुरुष शक्ति और प्रभुत्व का एक चरम रूप है। इसके जरिए महिलाओं को डराकर और नियंत्रित करके रखा जाता है।

हाल की कुछ घटनाओं पर नजर डालें तो पता चलता है कि अपराधियों की मानसिकता किस हद तक विकृत होती जा रही है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक बच्ची का अपहरण कर पांच दिन तक बत्तीस लोगों ने उससे बलात्कार किया। पश्चिम बंगाल के बुरुईपुरा में एक बच्ची से सामूहिक बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई।

उत्तर प्रदेश के बरेली में एक लड़की और हरदोई में एक बच्ची से बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। सवाल है कि क्या इन बच्चियों के साथ हुई यौन हिंसा के लिए भी उनके कपड़ों, व्यवहार और चाल-चलन को दोषी ठहराया जाएगा?

यह सच है कि पहले की तुलना में महिलाओं को अब अनेक अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन इन सबके बावजूद उन्हें अपने अस्तित्व और अस्मिता की सुरक्षा का अधिकार अभी तक नहीं मिल पाया है। आए दिन सड़कों, ट्रेनों, बसों, घरों, खेतों और दफ्तरों में लड़कियों एवं महिलाओं को वह सब झेलना पड़ता है, जो अनैतिक और गैर-कानूनी है। फिर भी यह सब खुलेआम हो रहा है, जैसे उसे सामाजिक वैधता प्राप्त हो। सरकार की ओर से नए कानून बनाए जाते हैं या पहले से बने कानूनों में संशोधन किया जाता है, लेकिन सवाल यह है कि इन्हें सख्ती से लागू करने की जिम्मेदारी किसकी है? जांच प्रक्रिया इतनी धीमी और लापरवाही भरी होती है कि कई मामलों में पीड़िता को न्याय मिल ही नहीं पाता है और अगर कहीं न्याय मिलता भी है, तो उसके लिए वर्षों इंतजार करना पड़ता है।

महिलाओं की सुरक्षा पर केंद्रित कार्यशालाओं और बौद्धिक चर्चाओं में कई तरह की सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती रही हैं। जैसे- गाड़ी में बैठने से पहले पिछली सीट पर देख लें, मोबाइल फोन में हेल्पलाइन नंबर रखें, रात में बाहर न निकलें, सोते समय सभी खिड़कियां बंद कर लें, अनजान लोगों से खाने-पीने की कोई वस्तु न लें, मिर्च स्प्रे साथ रखें, काम से घर जाते समय अपना रास्ता बदलते रहें और कोई संदेह होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। सवाल है कि ये सावधानियां बच्चों और किशोरियों को कैसे सिखाई जाएं। और क्या संभावित समस्याओं का हल केवल यही है कि लड़कियों एवं महिलाओं को ही सावधान रहना होगा। क्या वास्तव में इन सब सावधानियों से यौन हिंसा की घटनाएं रुक जाएंगी?

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि किसी भी देश की स्थिति वहां की महिलाओं की स्थिति को देखकर ज्ञात की जा सकती है। यदि इस तर्क को सही माना जाए, तो फिर इस दावे के क्या मायने रह जाते हैं कि भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की पंक्ति में खड़ा है। जिस देश की आधी आबादी को यौन शोषण, घरेलू हिंसा, तेजाब हमले और दहेज के लिए हत्या जैसी अमानवीय घटनाओं का दंश झेलना पड़ रहा हो, उस देश की स्थिति क्या होगी, यह बताने की जरूरत नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस मनाने या महिला सशक्तीकरण का उद्घोष करने से ही अगर उनकी स्थिति में बदलाव लाया जा सकता, तो अब तक यह सब हो चुका होता। दरअसल, सवाल यहां महिला सशक्तीकरण का है ही नहीं, उन्हें मजबूत या सशक्त बनाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे पहले से ही मजबूत हैं। जरूरत है समाज में महिलाओं की ताकत का आकलन करने के नजरिए को बदलने की। अगर पुरुष समाज महिलाओं के प्रति अपने नजरिए को बदल ले, तो समस्या अपने आप समाप्त हो जाएगी।

सवाल है कि क्या बलात्कार को सामूहिक आतंकवाद की संज्ञा दी जा सकती है? आतंकवाद में भी भय उत्पन्न करके दूसरों के व्यवहार पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया जाता है और बलात्कार में भी महिलाओं के व्यवहार को नियंत्रित कर उन पर अपना आधिपत्य स्थापित करने की कोशिश की जाती है। पहले के समय में बलात्कार की अधिकतर घटनाओं के लिए अपरिचित या अजनबी दोषी होता था, लेकिन अब परिवार, दोस्त और रिश्तेदारी के दायरे में भी महिलाएं यौन उत्पीड़न की शिकार हो रही हैं।

असल में महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा तभी मिलेगा, जब उन्हें पुरुषों के समान सारे अधिकार मिलेंगे। लैंगिक समानता आधारित समाज वह होता है, जहां हर कोई जैसा है, वैसा रह सके। इसलिए जरूरत इस बात की है कि देश की न्यायिक और सामाजिक व्यवस्था में आमूल-चूल बदलाव किया जाए तथा महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर गंभीरता से प्रयास किए जाएं।

क्या बलूचिस्तान पाकिस्तान के नियंत्रण से फिसल

महेन्द्र तिवारी

पाकिस्तान के निर्माण के समय से ही बलूचिस्तान का प्रश्न इस्लामाबाद के लिए गले की हड्डी बना रहा है। बलूच लोगों का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि वर्ष उन्नीस सौ सैंतालीस में उनके तत्कालीन राज्य कलात का पाकिस्तान में विलय उनकी स्पष्ट इच्छा के विरुद्ध किया गया था। इसी ऐतिहासिक असंतोष ने समय के साथ एक मजबूत राष्ट्रवादी आंदोलन को जन्म दिया, जो हर गुजरते दशक के साथ अधिक उग्र और हिंसक होता गया। बलूच राष्ट्रवादियों की सबसे मुख्य शिकायत यह है कि उनके क्षेत्र को पाकिस्तान द्वारा केवल एक आर्थिक उपनिवेश के रूप में देखा जाता है। बलूचिस्तान प्राकृतिक गैस, तांबे, सोने और अन्य बहुमूल्य खनिजों का अथाह भंडार है। इसके बावजूद इन विशाल संसाधनों से प्राप्त होने वाले राजस्व का एक बहुत ही नगण्य हिस्सा स्थानीय विकास कार्यों पर खर्च किया जाता है।

पाकिस्तान का सबसे बड़ा और संसाधन संपन्न प्रांत बलूचिस्तान एक बार फिर गहरी अशांति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गया है। पिछले कुछ समय में इस क्षेत्र से छनकर आ रही खबरें, विद्रोही गुटों के दावे और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की प्रतिक्रियाएं इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि यह विवाद अब एक नए और अधिक हिंसक चरण में प्रवेश कर चुका है। बलूच राष्ट्रवादियों द्वारा पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर हमलों के दावे और इसके जवाब में सेना के व्यापक अभियानों ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को बेहद नाजुक बना दिया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस आधुनिक युग में दोनों पक्षों की ओर से सूचना और दुष्प्रचार का जो युद्ध लड़ा जा रहा है, उसने जमीनी हकीकत को समझना और भी चुनौतीपूर्ण कर दिया है। हालांकि यह विवाद केवल हालिया सैन्य झड़पों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जड़ें दशकों पुराने राजनीतिक असंतोष, आर्थिक वंचना और पहचान के संकट में गहराई तक समाहित हैं जो अब एक नासूर का रूप ले चुकी हैं।

पाकिस्तान के निर्माण के समय से ही बलूचिस्तान का प्रश्न इस्लामाबाद के लिए गले की हड्डी बना रहा है। बलूच लोगों का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि वर्ष उन्नीस सौ सैंतालीस में उनके तत्कालीन राज्य कलात का पाकिस्तान में विलय उनकी स्पष्ट इच्छा के विरुद्ध किया गया था। इसी ऐतिहासिक असंतोष ने समय के साथ एक मजबूत राष्ट्रवादी आंदोलन को जन्म दिया, जो हर गुजरते दशक के साथ अधिक उग्र और हिंसक होता गया। बलूच राष्ट्रवादियों की सबसे मुख्य शिकायत यह है कि उनके क्षेत्र को पाकिस्तान द्वारा केवल एक आर्थिक उपनिवेश के रूप में देखा जाता है। बलूचिस्तान प्राकृतिक गैस, तांबे, सोने और अन्य बहुमूल्य खनिजों का अथाह भंडार है। इसके बावजूद इन विशाल संसाधनों से प्राप्त होने वाले राजस्व का एक बहुत ही नगण्य हिस्सा स्थानीय विकास कार्यों पर खर्च किया जाता है। स्थानीय निवासियों को रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से योजनाबद्ध तरीके से वंचित रखा गया है, जबकि इस्लामाबाद और पंजाब प्रांत के अभिजात्य वर्ग इन संसाधनों का भरपूर लाभ उठा रहे हैं। यह घोर आर्थिक असमानता उस गुस्से को और भड़काती है जो अंततः आम युवाओं को मुख्यधारा से काटकर विद्रोही गुटों की ओर धकेलता है।

हाल के वर्षों में बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे कई विद्रोही संगठनों ने अपनी रणनीतिक क्षमता और मारक शक्ति में अप्रत्याशित वृद्धि की है। पहले जहां ये हमले केवल छिटपुट और प्रतीकात्मक होते थे, वहीं अब ये बेहद सुनियोजित और बड़े पैमाने पर किए जा रहे हैं। वर्तमान विद्रोह की एक और विशेष बात यह है कि इसकी कमान अब केवल पारंपरिक कबीलाई सरदारों के हाथों में नहीं रही है, बल्कि विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले शिक्षित मध्यवर्गीय युवा और यहां तक कि महिलाएं भी इसमें सक्रिय रूप से शामिल हो रही हैं। सैन्य ठिकानों, पुलिस चौकियों और संचार तथा यातायात के महत्वपूर्ण ढांचों पर होने वाले निरंतर हमले यह दर्शाते हैं कि विद्रोही अब सीधे तौर पर पाकिस्तानी राज्य की सत्ता और संप्रभुता को चुनौती दे रहे हैं। विद्रोही गुटों का दावा है कि उन्हें आम जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त है और वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। दूसरी ओर पाकिस्तानी सेना और सरकार का रुख हमेशा की तरह बेहद कड़ा है। वे इन विद्रोहियों को केवल राज्य के दुश्मन और विदेशी ताकतों के मोहरे के रूप में चित्रित करते हैं और सैन्य बल के निर्दयी प्रयोग को ही एकमात्र समाधान मानते हैं। लेकिन बार बार होने वाले व्यापक सैन्य अभियानों के बावजूद समस्या का कोई स्थायी हल न निकल पाना यह साबित करता है कि ताकत के बल पर किसी भी जन आंदोलन को हमेशा के लिए नहीं कुचला जा सकता।

इस संघर्ष का एक बेहद चिंताजनक पहलू मानवाधिकारों का निरंतर और घोर उल्लंघन है। स्थानीय और कई अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि पाकिस्तानी सुरक्षा बल बलूचिस्तान में व्यापक स्तर पर दमन चक्र चला रहे हैं। हजारों की संख्या में बलूच युवाओं, छात्रों, वकीलों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कथित तौर पर जबरन गायब कर दिया गया है। इन लापता लोगों के परिवार वाले सालों से न्याय के लिए दर दर भटक रहे हैं और अदालतों से लेकर सड़कों तक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन व्यवस्था उनकी पुकार सुनने को तैयार नहीं है। राज्य द्वारा की जा रही इस ज्यादती ने बलूच समाज में पाकिस्तान की केंद्र सरकार के प्रति अविश्वास की खाई को इतना चौड़ा कर दिया है कि उसे पाटना अब लगभग असंभव प्रतीत होता है। हर नई गुमशुदगी और हर नई क्रूर सैन्य कार्रवाई विद्रोह की आग में घी डालने का काम करती है और राज्य के खिलाफ घृणा को और गहरा करती है।

बलूचिस्तान का यह गंभीर मुद्दा अब केवल पाकिस्तान का आंतरिक मामला नहीं रह गया है, बल्कि इसके गहरे भू राजनीतिक और रणनीतिक निहितार्थ भी हैं। चीन और पाकिस्तान के बीच बन रहे आर्थिक गलियारे ने इस क्षेत्र के सामरिक महत्व को कई गुना बढ़ा दिया है। ग्वादर बंदरगाह, जो अरब सागर के ठीक मुहाने पर स्थित है, चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल का एक प्रमुख और निर्णायक केंद्र है। चीन ने बलूचिस्तान में अरबों डॉलर का भारी निवेश किया है। लेकिन स्थानीय बलूच लोगों का दृढ़ता से यह मानना है कि इस तथाकथित विकास से उन्हें कोई फायदा नहीं होने वाला है, बल्कि यह भविष्य में जनसांख्यिकीय बदलाव लाने और उनके प्राकृतिक संसाधनों को पूरी तरह से लूटने की एक नई साजिश है। यही कारण है कि विद्रोही गुट अक्सर चीनी इंजीनियरों, श्रमिकों और इस आर्थिक गलियारे से जुड़ी अहम परियोजनाओं को अपना निशाना बनाते हैं। इन हमलों के कारण पाकिस्तान सरकार पर चीन की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने का भारी और निरंतर दबाव रहता है।

वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान के साथ लगने वाली डूरंड रेखा का पुराना विवाद इस पूरी क्षेत्रीय स्थिति को और भी अधिक जटिल बना देता है। अफगानिस्तान के साथ लगती यह लंबी और अस्थिर सीमा केवल एक लकीर नहीं है, बल्कि इसके दोनों ओर रहने वाले पश्तून और बलूच समुदायों के गहरे सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध हैं। इस खुली और दुर्गम सीमा के कारण हथियारों और विद्रोहियों की आवाजाही को पूरी तरह से रोकना पाकिस्तानी सेना के लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती बनी रहती है। जब बलूच राष्ट्रवादी सीमांत क्षेत्रों में अपना नियंत्रण स्थापित करने का दावा करते हैं, तो यह सीधे तौर पर क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करता है और अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान के बीच पहले से मौजूद अविश्वास को और अधिक गहरा कर देता है।

वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि बलूचिस्तान की गहरी और बहुआयामी समस्या का समाधान केवल बंदूकों, सैन्य बूटों की थाप या बल प्रयोग में बिल्कुल नहीं तलाशा जा सकता। विश्व का इतिहास इस बात का गवाह है कि जिन क्षेत्रों में पहचान, संसाधन और राजनीतिक अधिकारों से जुड़े प्रश्न लंबे समय तक अनसुलझे रहते हैं, वहां राज्य को हमेशा अस्थिरता का सामना करना पड़ता है। जब तक वहां के लोगों की जायज राजनीतिक और आर्थिक शिकायतों का ईमानदारी से निवारण नहीं किया जाता, तब तक कोई भी शांति बाहर से थोपी नहीं जा सकती। पाकिस्तान के नीति निर्माताओं को यह कड़वी सच्चाई स्वीकार करनी होगी कि बलूच लोगों को उनके ही घर में बेगाना और हाशिए पर रखकर एक मजबूत और एकजुट राष्ट्र का निर्माण नहीं किया जा सकता।

इस संकट के समाधान के लिए राज्य को अपनी सदियों पुरानी सैन्य और दमनकारी मानसिकता से बाहर आना होगा और एक सार्थक तथा पारदर्शी राजनीतिक संवाद की तत्काल शुरुआत करनी होगी। प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय लोगों के प्रथम अधिकार को संवैधानिक मान्यता देना, विकास परियोजनाओं में उनकी सीधी और सम्मानजनक भागीदारी सुनिश्चित करना और सबसे महत्वपूर्ण बात, मानवाधिकारों के व्यापक उल्लंघन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाकर सभी लापता लोगों को निष्पक्ष न्याय दिलाना ही वह एकमात्र लोकतांत्रिक रास्ता है जो बलूचिस्तान में वास्तविक और स्थायी शांति ला सकता है। यदि पाकिस्तान के हुक्मरानों ने समय रहते अपनी नीतियां नहीं बदलीं और संवाद का मार्ग नहीं अपनाया, तो बलूचिस्तान का यह रिसता हुआ नासूर आने वाले समय में पाकिस्तान के पूरे अस्तित्व, उसकी अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सबसे घातक और विनाशकारी खतरा बन सकता है।

यूपी में शिक्षकों को साधने में जुटी योगी सरकार

अजय कुमार

गाँव की पगडंडियों से लेकर कस्बों की गलियों तक, उत्तर प्रदेश में %मास्टर साहब% का रुतबा किसी नेता से कम नहीं होता। बच्चों को पहाड़े रटाने वाला यही शिक्षक चुनाव के मौसम में पूरे मोहल्ले की राय बदलने की ताकत रखता है। यही वजह है कि पिछले तीन महीनों में योगी आदित्यनाथ सरकार ने शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के लिए घोषणाओं की मानो झड़ी ही लगा दी है। कैशलेस इलाज से लेकर करोड़ों के दुर्घटना बीमा तक, हर फैसला सीधे इस बड़े वोट-बैंक को साधने की कोशिश जैसा दिख रहा है।पहले जरा आंकड़ों की जमीन पर खड़े होकर समझें कि यह तबका है कितना बड़ा। अकेले बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत ही करीब पांच से छह लाख नियमित शिक्षक काम कर रहे हैं। इनके साथ डेढ़ लाख के आसपास शिक्षामित्र और लगभग पच्चीस हजार अंशकालिक अनुदेशक भी इसी तंत्र का हिस्सा हैं। इसके अलावा राजकीय और सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों और स्टाफ की संख्या दो से ढाई लाख के बीच बैठती है। जब इनमें रिटायर हो चुके शिक्षक और इन सबके परिवार जोड़ दिए जाएं, तो यह संख्या तीस से चालीस लाख वोटों तक पहुंच जाती है। सिर्फ संख्या ही नहीं, समाज में शिक्षक की जो साख होती है, वह इस असर को और बड़ा बना देती है। गांव का वोटर चुनाव के वक्त मास्टर साहब की बात को गंभीरता से लेता है, और चुनाव ड्यूटी से लेकर वोटर लिस्ट दुरुस्त करने तक का ज्यादातर काम भी इन्हीं के कंधों पर टिका होता है। शायद इसीलिए कोई भी सरकार इस तबके को नाराज करने का जोखिम नहीं उठाना चाहती।

अब बात करते हैं उन फैसलों की, जिन्होंने पिछले कुछ हफ्तों में सुर्खियां बटोरीं। जुलाई 2026 में मुख्यमंत्री ने वाराणसी की धरती से %मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना% की शुरुआत की। इस योजना के दायरे में करीब बारह से पंद्रह लाख शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और यहां तक कि स्कूलों में खाना बनाने वाली रसोइया बहनें भी आ गई हैं। हर परिवार को सालाना पांच लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिलेगा, और इसका पूरा प्रीमियम खुद सरकार भरेगी। यह फैसला इसलिए भी अहम है क्योंकि लंबे समय से शिक्षक संगठन स्वास्थ्य सुरक्षा की मांग उठाते रहे हैं, खासकर कोविड के बाद जब अचानक इलाज का खर्च आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने लगा था।इसी कड़ी में सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ मिलकर एक बड़ा दुर्घटना बीमा कवर भी शुरू किया है। नियमित शिक्षकों के परिवार को अब किसी हादसे की सूरत में एक करोड़ रुपये तक मिल सकते हैं, जबकि संविदा पर काम कर रहे अनुदेशकों और शिक्षामित्रों को तीस से अस्सी लाख रुपये तक का कवर दिया गया है। यह उन तबकों के लिए बड़ी राहत है, जो अब तक किसी भी तरह की सामाजिक सुरक्षा से वंचित थे।अनुदेशकों की बात करें तो उनकी कहानी थोड़ी अलग है। फरवरी 2026 में सुप्रीम कोर्ट ने उनके बेहद कम मानदेय पर नाराजगी जताई थी, जिसके बाद मई में सरकार हरकत में आई और मासिक मानदेय नौ हजार से बढ़ाकर सीधे सत्रह हजार रुपये कर दिया। यह बढ़ोतरी एक अप्रैल 2026 से ही लागू मानी गई, यानी पीछे की तारीख से भी फायदा दिया गया। सालों से मामूली रकम में गुजारा कर रहे इन अनुदेशकों के लिए यह किसी बड़ी उम्मीद से कम नहीं था।

एक और मुद्दा जो लंबे समय से शिक्षकों को परेशान कर रहा था, वह था टीईटी यानी शिक्षक पात्रता परीक्षा। सुप्रीम कोर्ट ने आठवीं तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए यह परीक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया था, जिससे बरसों से नौकरी कर रहे शिक्षकों में डर बैठ गया कि उन्हें नए और युवा अभ्यर्थियों से सीधी टक्कर लेनी पड़ेगी। इसे भांपते हुए जुलाई की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन-सर्विस शिक्षकों के लिए अलग से टीईटी कराई जाए, ताकि वे बिना किसी अतिरिक्त दबाव के अपनी पात्रता साबित कर सकें। साथ ही जुलाई की यूपीटीईटी परीक्षा में बैठने वाले कार्यरत शिक्षकों को विशेष अवकाश भी दिया गया। इसके अलावा शहरी इलाकों के स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी को देखते हुए दस हजार से ज्यादा नए पदों पर भर्ती का खाका भी नवगठित उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को भेजा जा चुका है।लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू भी उतना ही असरदार है। पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस की मांग सालों से शिक्षक संगठनों की सबसे बड़ी मांग बनी हुई है, और सरकार अब तक इसे वित्तीय बोझ बताकर टालती रही है। चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते हैं, विपक्ष इस मुद्दे को हवा देने से नहीं चूकता। दूसरी बड़ी टीस शिक्षामित्रों की है। साल 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने सवा लाख से ज्यादा शिक्षामित्रों का सहायक शिक्षक पद पर समायोजन रद्द कर दिया था, और तब से यह मामला जस का तस अटका पड़ा है। मानदेय में मामूली सुधार तो हुए हैं, पर समान काम समान वेतन और पूर्ण नियमितीकरण की मांग आज भी अधूरी है, और यह गुस्सा वक्त-वक्त पर सड़कों पर आंदोलन की शक्ल ले लेता है।

इसी साल जून-जुलाई में लागू हुई त्रि-स्तरीय तबादला और समायोजन नीति ने भी शिक्षकों को उलझन में डाल दिया। इसके अलावा स्कूलों में अनिवार्य की गई डिजिटल हाजिरी को लेकर भी प्रदेशभर में तीखा विरोध देखने को मिला। शिक्षकों का कहना है कि दूर-दराज के गांवों में जहां नेटवर्क ठीक से पकड़ता ही नहीं, वहां रोज ऑनलाइन हाजिरी लगाना व्यावहारिक तौर पर मुश्किल है। कुल मिलाकर देखा जाए तो कैशलेस इलाज, मोटा दुर्घटना बीमा और अनुदेशकों के मानदेय जैसी सौगातें सरकार के प्रति शिक्षकों की नाराजगी को काफी हद तक कम करने वाली साबित हो सकती हैं। अलग टीईटी का वादा भी इस तबके में राहत का माहौल बना गया है। पर पुरानी पेंशन और शिक्षामित्रों के नियमितीकरण जैसे बुनियादी सवाल अब भी जवाब मांग रहे हैं। आने वाले समय में यही देखना दिलचस्प होगा कि क्या ये तमाम मरहम शिक्षकों के पुराने जख्मों को पूरी तरह भर पाते हैं, या फिर चुनाव नजदीक आते ही यह असंतोष एक बार फिर सतह पर आ जाता है।

धरती की कोख उजाड़कर कितने दिन चमकेगा सोने का वैभव?

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

सोने का भाव जितनी ऊंचाई छू रहा है, धरती उतनी ही गहराई में धंस रही है। वित्तीय बाजार इसे सुरक्षित निवेश का स्वर्णकाल मान रहे हैं, जबकि प्रकृति इसे अपने अस्तित्व का काला अध्याय। तिजोरियां भर रही हैं, लेकिन नदियां विष से, जंगल वीरानी से और आदिवासी अंचल भय से भर रहे हैं। कभी वैभव, विश्वास और स्थिरता का प्रतीक रही यह पीली धातु आज पर्यावरणीय संहार, संगठित अपराध और वैश्विक अस्थिरता की नई मुद्रा बन चुकी है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बाजार सोने का मूल्य चुकाता है, उसकी पर्यावरणीय कीमत नहीं। हर बढ़ता भाव किसी जंगल की हरियाली, किसी नदी की निर्मलता और किसी समुदाय के भविष्य को गिरवी रखकर हासिल हो रहा है।

उन्नीसवीं सदी की गोल्ड रश अवसरों की कहानी थी, इक्कीसवीं सदी की यह स्वर्ण-दौड़ अस्तित्व का संकट है। सोने की ऊंची कीमतों ने लघु स्वर्ण खनन (आर्टिजनल एंड स्मॉल-स्केल गोल्ड माइनिंग) को अभूतपूर्व रफ्तार दे दी है। छोटे और अवैध खनिक अब केवल धरती की छाती नहीं चीर रहे, पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर शिकंजा कस रहे हैं। घाना, अमेज़न, इंडोनेशिया और अफ्रीका के कई इलाकों में जंगल ऐसे उजाड़े जा रहे हैं, मानो वे धरती के फेफड़े नहीं, लालच के रास्ते की बाधा हों। खनन अब उद्योग नहीं, प्रकृति पर संगठित डकैती है। जहां कभी पक्षियों का कलरव था, वहां अब मशीनों का शोर और विस्फोट हैं।

इस विनाश की सबसे भयावह तस्वीर नदियों में दिखाई देती है। सोना निकालने की सबसे सस्ती तकनीक–पारा (मरकरी) और सायनाइड–आज भविष्य की सबसे महंगी कीमत वसूल रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार, दुनिया में मरकरी प्रदूषण का लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा केवल आर्टिजनल एंड स्मॉल-स्केल गोल्ड माइनिंग (एएसजीएम) से आता है। हर वर्ष 800 टन से अधिक पारा हवा और जल स्रोतों में घुलकर मछलियों के जरिए पूरी खाद्य श्रृंखला में फैलता है तथा बच्चों के मस्तिष्क विकास पर स्थायी चोट करता है। घाना इसका सबसे दर्दनाक उदाहरण है, जहां लगभग 60 प्रतिशत जल स्रोत दूषित हो चुके हैं और अनेक नदियां पीने योग्य नहीं रहीं। यह केवल जल प्रदूषण नहीं, मानव सभ्यता की जीवनरेखा में घोला जा रहा धीमा ज़हर है।

यह केवल पर्यावरण का नहीं, संगठित अपराध के फैलते साम्राज्य का भी वृत्तांत है। अमेज़न के जंगलों में स्वर्ण खनन अब ड्रग कार्टेलों और अपराधी गिरोहों का नया अड्डा बन चुका है। अनेक क्षेत्रों में इसका मुनाफा कोकीन के कारोबार से भी अधिक माना जा रहा है। चीनी अपराधी नेटवर्क ÷फ्लाइंग मनी÷ के जरिए सोने के लेन-देन में कर रहे हैं। नतीजा यह है कि वहां केवल जंगल ही नहीं उजड़ रहे, कानून का राज भी मिटता जा रहा है। जैव विविधता सिमट रही है, आदिवासी अपनी पुश्तैनी जमीन से बेदखल हो रहे हैं और हिंसा जीवन की सामान्य सच्चाई बनती जा रही है। ब्राजील के मुंडुरुकु आदिवासी क्षेत्र में खनन थमने के बाद भी स्वास्थ्य संकट कायम है। संदेश साफ है–खदानें बंद हो सकती हैं, लेकिन प्रकृति और समाज पर पड़े उनके घाव पीढ़ियों तक नहीं भरते।

यह मानना भूल होगी कि यह संकट केवल अमेज़न या अफ्रीका तक सीमित है। भारत में कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अवैध स्वर्ण खनन तेजी से समानांतर अर्थव्यवस्था का रूप ले रहा है। सरकारी राजस्व लूट रहा है, वन सिकुड़ रहे हैं और नदियां ज़हर निगल रही हैं। यहां भी पारे का अंधाधुंध इस्तेमाल मछलियों, खेती और ग्रामीण स्वास्थ्य पर भारी पड़ रहा है। वैश्विक बाजार में सोने की कीमत चढ़ते ही स्थानीय जंगलों पर दबाव कई गुना बढ़ जाता है। वैश्वीकरण का यही कठोर सच है कि लंदन और न्यूयॉर्क के निवेशकों का मुनाफा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जंगलों की कीमत पर लिखा जा रहा है।

सबसे बड़ा भ्रम यही है कि सोना आज भी केवल आभूषण या निवेश है। सच यह है कि वह अब भू-राजनीति, प्रतिबंधों से बच निकलने, भ्रष्टाचार और राजनीतिक वित्तपोषण का भी सशक्त माध्यम बन चुका है। विकसित देशों के बाजारों तक पहुंचने वाला सोना अपने पीछे छूटे विनाश के निशान साथ नहीं ले जाता। शायद ही किसी उपभोक्ता को पता हो कि उसकी उंगली में चमकती एक साधारण शादी की अंगूठी के पीछे लगभग 20 टन जहरीला खनन अपशिष्ट छिपा है। बाजार धातु की शुद्धता तो परखता है, लेकिन उसके उत्पादन की नैतिकता पर चुप्पी साध लेता है। आधुनिक अर्थव्यवस्था की यही सबसे बड़ी विडंबना है–मुनाफा कुछ हाथों में सिमटता है, जबकि उसकी पर्यावरणीय कीमत पूरी पृथ्वी चुकाती है। समाधान केवल अवैध खनन पर छापेमारी में नहीं, बल्कि वैश्विक जवाबदेही में है। पारा-मुक्त तकनीकों को बढ़ावा देना होगा, छोटे खनिकों के लिए वैकल्पिक आजीविका सुनिश्चित करनी होगी और पूरी आपूर्ति श्रृंखला को पारदर्शी बनाना होगा, ताकि बाजार तक पहुंचने वाले हर ग्राम सोने की पूरी यात्रा दर्ज रहे। जब तक दुनिया केवल हॉलमार्क देखेगी और उसके पर्यावरणीय पदचिह्न नहीं पूछेगी, तब तक यह संकट थमेगा नहीं। विकास का अर्थ प्रकृति की कीमत पर समृद्धि नहीं, बल्कि संसाधनों और संवेदनाओं के बीच संतुलन है।

कानून का राज है प्राथमिकता : संजीव बाजपेई

■ पुलिस महकमे के भ्रष्टाचार की शिकायतों पर कार्यवाही होगी ■ नये एसपी ने संभाला पदभार

ललितपुर। प्रेसवार्ता में सवालों के जवाब देते नये एसपी साथ बैठे एएसपी।

ललितपुर। पुलिस अधीकक्ष मो.मुस्ताक के स्थानान्तरण के बाद ललितपुर में नये पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेयी ने आकर पदभार संभाल लिया। उन्होंने अपने अधीनस्थों के साथ बैठक कर द्वारा पुलिस और जनता के बीच अच्छी पुलिसिंग की हिदायत दी। एक प्रेसवार्ता कर उन्होंने अपनी प्राथमिकतायें भी बताईं।

नवागंतुक एसपी ने कहा कि उनके बेहतर संवाद स्थापित कर लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनपद में निष्पक्ष, पारदर्शी और कानूनसम्मत पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए हर स्तर पर प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। विभिन्न सवालों का जवाब देते हुए एसपी ने कहा कि जनपद में कानून का राज स्थापित करना उनकी प्राथमिकता होगी। संगीन और संगठित अपराधियों पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। महिलाओं के प्रति अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। लोगों में सुरक्षा की भावना जाग्रत की जायेगी। भूमाफिया और अपराधियों की अवैध कमाई से अर्जित की गयी संपत्ति को चिन्हित कर उस पर कानूनी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। पुलिस महकमे में व्याप्त भ्रष्टाचार को रोकने जो भी उचित होगा किया जायेगा। अतिक्रमण के मामले में एसपी ने कहा कि नगरपालिका और प्रशासन के समन्वय से प्रभावी कार्यवाही की जायेगी। जो गलत करेगा उसे पर प्रभावी कार्यवाही जरूर की जायेगी। पत्रकार वार्ता के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

2018 बैच के आईपीएस हैं नये एसपी

एसपी संजीव कुमार बाजपेई ने बताया कि वह 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने अपने सेवाकाल में मेरठ, अलीगढ़ और आगरा में क्षेत्राधिकारी के रूप में कार्य किया है। इसके बाद मुजफ्फरनगर, फिरोजाबाद, सहारनपुर और बिजनौर में अपर पुलिस अधीक्षक के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। वह 33वीं वाहिनी पीएसी में कमांडेंट रहे हैं। वर्तमान में एटा से स्थानांतरित होकर उन्हें ललितपुर का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। उनका गृह जनपद फतेहगढ़ है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र, विशेषकर ललितपुर में सामने आ रही आत्महत्या की घटनाएं चिंता का विषय हैं। पुलिस इस दिशा में सामाजिक संस्थाओं, प्रशासन और आमजन के सहयोग से प्रभावी रणनीति बनाकर कार्य करेगी, ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

संतुलित आहार और नियमित धूप से दूर होगी विटामिन डी3 व बी12 की कमी

नीमा एसोसिएशन की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने सिखाई स्वास्थ्य जागरूकता

ललितपुर। बैठक में आये नीमा पदाधिकारी।

ललितपुर। नीमा एसोसिएशन द्वारा एक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं में तेजी से बढ़ रही विटामिन डी3 एवं विटामिन बी12 की कमी पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। अध्यक्षता डॉ.एसपी पाठक ने की और संचालन डॉ.दीपक चौबे ने किया। मुख्य अतिथि एसीएमओ डॉ.आरएन सोनी रहे। मुख्य वक्ता डीएनबी मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ.निखिल गुप्ता ने बताया कि कहा कि आज की युवा पीढ़ी तकनीक और करियर में तो आगे बढ़ रही है, लेकिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक गंभीर और मूक संकट का सामना कर रही है। हाल के स्वास्थ्य सर्वेक्षणों और चिकित्सकीय अनुभवों के अनुसार 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं में विटामिन डी3 और विटामिन बी12 की कमी देखी जा रही है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे प्रतिदिन 15 से 20 मिनट तक सुबह की धूप लें तथा अपने भोजन में दूध, दही, पनीर, मशरूम, देसी गाय का घी एवं अंकुरित अनाज शामिल करें। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और स्वस्थ दिनचर्या अपनाकर इस समस्या से काफी हद तक बचा जा सकता है। आयोजन में चिकित्सकगण मनवीर सिंह तोमर, विशाल जैन, अमिताभ पाराशर, सौरभ साहू, प्रतीक जैन, आलोक जैन, उत्कर्ष चौबे, शीलचंद्र राजपूत, शशांक पाठक, विवेक सक्सेना, अनूप श्रीवास्तव, उमेश गुप्ता, अनीश खान, कैलाश श्रोतिय, अवनी कड़की, रवीन्द्र मोहन संज्ञा उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

प्लॉट बेचने के नाम पर 6.10 लाख की ठगी

ललितपुर। सिविल लाइन निवासी नरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ नरेन्द्र सिंह पुत्र महावल सिंह ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि उन्हें आवासीय प्लॉट की आवश्यकता थी। इसी दौरान सैमसंग काशीनाथ पुत्र स्व.सैमुअल काशीनाथ तथा उसके पुत्र विवेक काशीनाथ निवासी मोहल्ला आजादपुरा अग्रवाल मिट्टी के तेल डिपो के पास ने स्वयं को एक प्लॉट का स्वामी बताते हुए उन्हें जमीन दिखाई। आरोप है कि आरोपियों के झांसे में आकर पीड़ित ने पहले गवाहों की मौजूदगी में 60 हजार रुपये नकद दिए। इसके बाद 24 मार्च 2022 को शेष 5 लाख 50 हजार रुपये बैंक के माध्यम से आरोपी सैमसंग काशीनाथ के खाते में जमा करा दिए। इस प्रकार आरोपियों ने कुल 6 लाख 10 हजार रुपये प्राप्त कर लिए। पूरी रकम लेने के बाद आरोपियों ने कथित रूप से कूटरचित बिक्रय विलेख तैयार कराया। आरोप है कि जिस प्लॉट को दिखाकर सौदा किया गया था, उसके बजाय पास स्थित किसी अन्य भूमि का बैनामा कर दिया गया। जिस पर आरोपियों का स्वामित्व ही नहीं था। जब लंबे समय तक उसको प्लॉट का कब्जा नहीं मिला तो वह अपने मित्र पुष्पेन्द्र सिंह परमार पुत्र जयहिन्द सिंह परमार के साथ आरोपियों के पास पहुंचा और विरोध दर्ज कराया। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने नामजद आरोपियों समेत कुछ अन्य अज्ञात पर बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

फिजियोथेरेपी क्लीनिक संचालक डॉक्टर पर एससी/एसटी एक्ट का मामला दर्ज

ललितपुर। थाना मड़ावरा के ग्राम गिदवाहा निवासी राजकुमार पुत्र विनोद कोरीए निवासी ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि वह राजघाट रोड स्थित हैप्पी फिजियोथैरेपी, नैचुरोपैथी एंड पंचकर्म क्लीनिक में लेबर और मरीजों की देखरेख का कार्य करता था। क्लीनिक का संचालन डॉ.तेजस्व श्रीवास्तव द्वारा किया जाता है। 8 अप्रैल 2026 को उसे चार हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पर काम पर रखा गया था। 21 अप्रैल को फोन कर काम पर न आने को कहाह गया और 27 अप्रैल को बकाया भुगतान लेने के लिए बुलाया गया। आरोप है कि 27 अप्रैल को जब वह क्लीनिक पहुंचा तो उसे कुल मजदूरी के बजाय केवल 1300 रुपये दिए जा रहे थे, जबकि उसके अनुसार 1733 रुपये बनते थे। शेष 433 रुपये मांगने पर डॉक्टर कथित रूप से नाराज हो गए। आरोप लगाया है कि रुउसके साथ गालीगलौज की गयी, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया तथा धक्का देकर क्लीनिक से बाहर निकाल दिया गया औश्र जान से मारने की धमकी दी गयी।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि घटना की ऑडियो रिकॉर्डिंग उसके पास सुरक्षित हैख् जिसे साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है। कहना है कि घटना के बाद उसने पुलिस अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट की अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। न्यायालय के आदेश के बाद कोतवाली पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

अनजान कॉल ने युवती के खाते से 17 हजार ठगे

ललितपुर। ग्राम बिलाटा निवासी रोशनी पुत्री सोबरन ने न्यायालय को दी शिकायत में बताया कि उनका स्टेट बैंक ऑफइंडिया की चिगलौआ शाखा में बैंक खाता संचालित है। कुछ समय पहले उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। कॉल करने वाले ने बातचीत के दौरान उन्हें झांसे में लेकर उनके बैंक खाते से करीब 17 हजार रुपये निकाल लिए। मोबाइल पर खाते से रकम कटने का संदेश मिलते ही पीड़िता ने तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर साइबर पोर्टल पर प्रकरण दर्ज हुआ और संबंधित राशि को फ्रीज करा दिया गया। आरोप है कि साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने और स्थानीय पुलिस व पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देने के बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। इसके बाद उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। न्यायालय के आदेश के बाद बानपुर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

सजल राठौर ने पैरा-10 श्रेणी में जीता काँस्य, सम्मानित

यूपी स्टेट पैरा टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2026

ललितपुर। खिलाड़ी को सम्मानित करते अधिवक्तागण।

ललितपुर। राज्य स्तरीय पैरा खेलों में एक और शानदार उपलब्धि दर्ज करते हुए खिलाड़ी सजल राठौर ने यूपी पैरा स्टेट टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जनपद का नाम रोशन किया है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की पैरा-10 श्रेणी में कांस्य पदक अपने नाम किया है। सजल राठौर को उनकी इस शानदार खेल उपलब्धि के लिए सर्टिफिक्रेट ऑफ मेरिट देकर सम्मानित किया गया। इस शानदार सफलता पर रविवार को कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें बधाई देते हुए सम्मानित किया गया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने कहा कि सजल की यह जीत उनके कड़े परिश्रम, समर्पण और अदम्य साहस का प्रतीक है। जिससे अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। इस दौरान अधिवक्तागण बृजेंद्र सिंह चौहान, पुष्पेन्द्र सिंह चौहान, शेरसिंह यादव, रवींद्र घोष, शशिकांत राजपूत, अनुराग लोधी, आकाश झा, नंदकिशोर कुशवाहा, विशाल चौहान, रामस्वरूप कुशवाहा, विकास झा, बलराम कुशवाहा और शैलेंद्र सिंह राजपूत उपस्थित रहे।

राधा-कृष्ण मंदिर मार्ग पर आवारा सूअरों का राज

नगर पालिका के नोटिस के बाद भी नहीं मिली राहत

ललितपुर। मोहल्ले में खुलेआम घूमते सुअर।

ललितपुर। गाँधीनगर नई बस्ती वार्ड-4 स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर मार्ग पर आवारा सूअरों की समस्या गहराने लगी है। मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को हो रही परेशानी के चलते मंदिर प्रबंधन समिति की शिकायत पर नगर पालिका परिषद ने तीन संविदा सफाई कर्मचारियों को नोटिस जारी कर तत्काल सूअर हटाने के निर्देश दिए थे। लेकिन नोटिस जारी होने के कई दिन बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है। नगर पालिका परिषद द्वारा 14 जुलाई 2026 को जारी नोटिस में कमलेश बाल्मीकि, मनोज कुमार वाल्मीकि और तोता वाल्मीकि को निर्देशित किया गया था कि वे अपने सूअरों को तत्काल मोहल्ले से हटाना सुनिश्चित करें। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि आदेश की अवहेलना करने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा अधिशासी अधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया गया कि बिहारी राशन की दुकान से लेकर श्रीराधा कृष्ण मंदिर तकए आसपास की गलियों और खाली पड़े प्लॉटों में बड़ी संख्या में सूअर दिन-रात घूमते रहते हैं। कई बार सूअर लोगों के पीछे दौड़ पड़ते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। शिकायत में यह भी कहा गया कि खुले में घूमने वाले सूअर कूड़े के ढेर और नालियों को उखाड़कर पूरे क्षेत्र में गंदगी फैलाते हैं। इससे दुर्गंध के साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है और मंदिर के आसपास का धार्मिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि एक ओर नगर पालिका शहर को स्वच्छ बनाने के दावे करती हैए वहीं दूसरी ओर कई मोहल्लों में आवारा सूअरों और गंदगी की समस्या बनी हुई है। क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि नोटिस की अवहेलना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए और मंदिर मार्ग सहित पूरे क्षेत्र को आवारा सूअरों से मुक्त कराया जाए।

श्रमिकों का उत्पीड़न नहीं करेंगे बर्दाश्त : अनिल उपाध्याय

भारतीय मजदूर संघ की जिला बैठक में हुआ संगठन विस्तार

ललितपुर। बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारी।

ललितपुर। भारतीय मजदूर संघ की महत्वपूर्ण बैठक ऐतिहासिक सुमेर तालाब के समीप स्थित एक होटल में आयोजित की गई। अध्यक्षता सहकारी बैंक प्रबंधक दीपक मिश्रा ने की। बैठक में संगठन विस्तार, श्रमिकों अधिकारों की रक्षा तथा जिले में विभिन्न श्रमिक इकाईयों के गठन को लेकर विस्तृत विमर्श किया गया।

प्रदेश महामंत्री अनिल कुमार उपाध्याय ने संगठन के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय मजदूर संघ आज देश का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एनएचएम कर्मचारियों, बजाज पावर प्लांट सहित विभिन्न विभागों में कार्यरत संविदा श्रमिकों की इकाइयों का गठन करने तथा राजघाट परियोजना दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी संघ को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाना होगा। कहा कि किसी भी श्रमिक का उत्पीड़न भारतीय मजदूर संघ स्वीकार नहीं करेगा। श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से हरसंभव संघर्ष किया जायेगा। संचालन क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्रीकांत अवस्थी ने किया। विभाग प्रमुख चंद्रकांत चतुर्वेदी ने भी बैठक को संबोधित किया। बैठक में अमित प्रजापति, जगभान कुशवाहा, गुलशन कुमार गुप्ता, जगदीश राजपूत, राहुल कुशवाहा, इंजी.हाकिम सिंह, जगवीर सिंह, आराम सिंह, वीर सिंह, काशीराम, जेहिंद्र सिंह, परशुराम, गिरजेश कुमार, आरके जैन, धन्तू लाल सहित अनेक संगठन कर्मी मौजूद रहे।

सोनू नामदेव बने जिलाध्यक्ष, राहुल जिला प्रभारी

अखिल भारतीय नामदेव समाज संगठन का हुआ विस्तार

ललितपुर। बैठक को संबोधित करते पदाधिकारी।

ललितपुर। तालाबपुरा स्थित संत नामदेव मंदिर परिसर में रविवार को अखिल भारतीय नामदेव समाज संगठन भारत की जनपद जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया।

संगठन को जनजन तक पहुंचाने, समाज को संगठित करने तथा युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने सहित विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष केके नामदेव की सहमति एवं अनुमोदन से सोनू नामदेव डुलावन को जिलाध्यक्ष तथा राहुल नामदेव को जिला प्रभारी नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी गठन के दौरान डा.पवन नामदेव छिल्ला को जिला महामंत्री, आयुष नामदेव ललितपुर, शिवम नामदेव कुम्हेड़ी, डा.राजेश नामदेव मथुराडांग एवं सचेंद्र नामदेव बांसी को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। रोहित नामदेव अंशू को जिला कोषाध्यक्ष तथा रोहित नामदेव बांसी को जिला मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा योगेश नामदेव बार, आशुतोष नामदेव साडूमल, भगवत नामदेव सैदपुर, रामकुमार नामदेव जरावली, राहुल नामदेव बिल्ला, संजय नामदेव मथुराडांग एवं दीपक नामदेव गौना कुसमाड़ को जिला मंत्री नियुक्त किया गया। इस दौरान निवर्तमान जिलाध्यक्ष विमलेंद्र नामदेव, महामंत्री छोटेलाल नामदेव, उपाध्यक्ष मुन्नूलाल नामदेव, बालकिशन नामदेव, सुखराम नामदेव, रवि नामदेव, अरविंद नामदेव, मनीष नामदेव, आंशिक नामदेव सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु तथा नवनियुक्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट के आदेश से दो अधिवक्ताओं, पांच न्यायालय कर्मचारियों सहित आठ पर एफआईआर

■ जिला न्यायालय के रिमांड ऑर्डर्स में फर्जीवाड़े का बड़ा खुलासा

■ फर्जी प्रमाणित नकल के जरिए हाईकोर्ट को गुमराह करने का आरोप

ललितपुर। जिला न्यायालय में न्यायिक अभिलेखों से जुड़े फर्जीवाड़े का एक गंभीर मामला सामने आया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्देश पर जिला न्यायालय के प्रशासनिक लिपिक जितेन्द्र शर्मा की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने दो अधिवक्ताओं, पांच न्यायालय कर्मचारियों तथा एक अभियुक्त सहित कुल आठ लोगों के विरुद्ध बीएनएस एवं आईटी एक्ट की विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि रिमांड आदेश में कूटरचना कर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और बिना मूल अभिलेख के प्रमाणित प्रतिलिपि जारी कर उसे इलाहाबाद हाईकोर्ट में प्रस्तुत किये गये थे। थाना तालबेहट के अपराध संख्या 06/2026 के अभियुक्त जितेन्द्र सिंह निरंजन की ओर से अधिवक्ता अनुपम वर्मा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में हेबियस कॉर्पस याचिका संख्या-553/2026 दाखिल की थी। याचिका के साथ रिमांड मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर के बिना तैयार कथित रिमांड शीट एवं अभिरक्षा वारंट की प्रतियां संलग्न की गई थीं। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने जिला जज ललितपुर से जांच रिपोर्ट माँगी। जाँच में कथित रूप से न्यायालय के रिकॉर्ड में हेरफेर, फर्जी दस्तावेज तैयार करने तथा नियमों के विपरीत प्रमाणित प्रतिलिपि जारी किए जाने की पुष्टि होने पर उच्च न्यायालय ने संबंधित लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने तथा विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए। प्राथमिकी के अनुसार 3 मई 2026 को अवकाश कालीन रिमांड मजिस्ट्रेट ने अभियुक्त को 8 मई 2026 तक न्यायिक अभिरक्षा में भेजने का आदेश दिया था। आरोप है कि कोर्ट मुहर्रिर पंकज ने मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर के बिना एक प्रोफार्मा अभिरक्षा वारंट तैयार किया, जिसमें रिमांड अवधि 16 मई 2026 अंकित कर दी गई। आरोप है कि अधिवक्ता अनुपम वर्मा ने उस दस्तावेज की मोबाइल से फोटो ले ली। इसके बाद उनके जूनियर अधिवक्ता अखिलेश राय ने प्रतिलिपि अनुभाग में आवेदन कर बिना मूल अभिलेख मंगाए तथा निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना उसी मोबाइल स्कैन कॉपी के आधार पर प्रमाणित नकल जारी करवा ली। आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया में न्यायालय के कुछ कर्मचारियों ने भी कथित रूप से सहयोग किया और बाद में उसी दस्तावेज को इलाहाबाद हाईकोर्ट में प्रस्तुत किया गया। इस प्रकरण में नामजद उन्नाव जिले के पोस्ट अशोहा ग्राम भऊमऊ निवासी अधिवक्ता अनुपम वर्मा पुत्र जगत नारायण वर्मा, जूनियर अधिवक्ता अखिलेश राय, जिला जालौन के थाना सिरसाकलार ग्राम नगरी निवासी जितेन्द्र सिंह निरंजन पुत्र रतन सिंह, ललितपुर निवासी प्रधान प्रतिलिपिक मनोज जोशी पुत्र गोपीलाल जोशी, सहायक प्रतिलिपिकार भूपेन्द्र साहू पुत्र जगदीश, लिपिक अक्षय पुरोहित पुत्र आदित्य नारायण पुरोहित, कोर्ट मुहर्रिर पंकज, कोर्ट मुहर्रिर उमेश के खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की धारा 61-2, 229, 316-5, 337, 338, 340-2 एवं आईटी एक्ट की धारा 66 एवं 66 डी के तहत मामला दर्ज किया है।

बुढ़वार तिराहे पर 45 क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

ललितपुर। अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने एक व्यक्ति को 45 क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से प्लास्टिक की बोरी में रखी रसभरी ब्रांड की देशी शराब बरामद करते हुए उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इलाइट चौराहा वंशीपुरा निवासी नीलेश शिवहरे पुत्र हरीराम शिवहरे के रूप में हुई है। उपनिरीक्षक वीरेन्द्र सिंह ने मुखबिर की सूचना पर इसे बुढ़वार तिराहे पर सफेद प्लास्टिक की बोरी में अवैध देशी शराब के साथ पकड़ा। इस बोरी से रसभरी ब्रांड के 45 क्वार्टर टेट्रा पैक देशी अवैध शराब के बरामद हुए।

पूछताछ में आरोपी शराब रखने अथवा परिवहन से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। आरोपी ने पूछताछ के दौरान स्वयं को हृदय रोगी बताते हुये गलती स्वीकार की और शराब बेचने के उद्देश्य से ले जाने की बात कही। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 60-1द्ध के तहत मुकदमा दर्ज किया है। इस कार्रवाई में आरक्षी करणप्रताप सिंह, आरक्षी रोहित कुमार, आरक्षी अनुराग शंकर तथा आरक्षी योगेन्द्र का सहयोग रहा।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल रंग लाई

नौ टूटते रिश्तों को बिछड़ने से बचाया,परिवारों की उम्मीदें बढ़ी

झांसी जयूसं। छोटी-छोटी बातों से उपजे घरेलू विवाद जब पुलिस और अदालत तक पहुंच जाते हैं तो अक्सर रिश्ते टूटने की कगार पर पहुंच जाते हैं। ऐसे ही नाजुक हालात में झांसी की महिला थाना पुलिस की परामर्श केंद्र में तैनात महिला काउंसलर और पुलिस कर्मियों की टीम कई परिवारों के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आई है । इस टीम ने नौ टूटते रिश्तों को बिछड़ने से बचा लिया है।

झांसी के महिला थाना में प्रत्येक शनिवार को परिवार परामर्श के माध्यम से पति-पत्नी के आपसी विवादों से जुडे मामलों को चुना जाता है। इनमें अधिकतर शिकायतें घरेलू विवाद, मानसिक प्रताड़ना या छोटी-मोटी नोक -झोंक से जुड़ी होती है। शिकायत मिलने पर पुलिस दोनों पक्षों को बुलाकर शांति पूर्वक उनकी बात सुनती है और काउंसलिंग के जरिए आपसी मतभेद सुलझाने का प्रयास करती है। कई मामलों में देखा गया है कि मामूली विवाद भी जब पुलिस तक पहुंच जाता है तो परिवार टूटने की स्थिति बन जाती है,लेकिन परिवार परामर्श केंद्र की समझाइश से हालात संभल जाते हैं।

नौ मामलों में हुआ समझौता

महिला थाना में परिवार परामर्श केंद्र का आयोजन किया गया। इस दिन 25 फाइलें थी । इनमें से 9 मामलों में पति-पत्नी के बीच समझौता कराकर उन्हें फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया गया,जो परिवार आज संतोषजनक और खुशहाल जीवन जी रहे हैं । शेष मामलों में भी पुलिस लगातार प्रयास कर रही है कि विवाद कोर्ट - कचहरी तक न पहुंचे, हालांकि कुछ मामले ऐसे भी होते हैं जिन का समझौता संभव नहीं हो पाताऔर उन्हें आगे कानूनी प्रक्रिया के लिए भेजना पड़ता है।

क्या बोले एसएसपी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को महिला थाना में परिवार पराश केंद्र संचालित किया जाता है। यहां प्रशिक्षित महिला काउंसलर और पुलिस कर्मी पूरी संवेदन शीलता के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई मामलों में समझौता हुआ है,जो एक सराहनीय उपलब्धि है। झांसी पुलिस की यह पहल न सिर्फ कानून व्यवस्था को मजबूत कर रही हैं,बल्कि समाज में रिश्तों को बचाने का भीअहम काम कर रही है।

केंद्र प्रभारी

परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी वंदना सिंह ने बताया कि पति-पत्नी के विवाद के मामले में हम लोग पूरी तरह से कोशिश यही रखते हैं कि दोनों में आपसी सामंजस्य से समझौता हो जाएं, अब तक हम लोगों ने नौ मामलों में सफलता पाई है और लगातार हम लोग यही प्रयास कर रहे हैं कि पति - पत्नी के मामूली विवादों में परिवार ना टूटे और ना बिखरे। परिवार परामर्श केंद्र में उपनिरीक्षकराजेंद्र बहादुर, उपनिरीक्षक चंद्रभान अवस्थी, उपनिरीक्षक दिव्यासिंह,उपनिरीक्षक बृजनंदन सिंह, महिला मुख्य आरक्षी माधुरी, निशा तोमर, मुख्य आरक्षी प्रशांत कुमार, परिवार परामर्श समिति के सदस्य डॉ नीलम गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

प्रयाग संगीत समिति की प्रयोगात्मक परीक्षा में बच्चों ने राग रागनियों की प्रस्तुति से मन मोहा

गुरसरांय। नगर के माँ शारदा संगीत विद्यालय में प्रयाग संगीत समिति प्रयाग राज के संगीत गायन वादन की प्रयोगात्मक परीक्षा में प्रयागराज से आये परीक्षक विनय कुमार की देखरेख में संगीतगुरु पं परशुराम पाठक,एवं मऊरानीपुर के संगीतगुरु रामदास भट्ट के सानिध्य में बच्चों ने राग रागनियों की प्रस्तुति देकर भाव विभोर किया।

इस दौरान विभिन्न अंचलों से आये 62 परीक्षार्थियों ने संगीत की परीक्षा दी।जिसमें पृथ्वीपर, भांडेर,मऊरानीपुर, गरौठा, ललितपुर आदि क्षेत्रों के परीक्षार्थी सम्मलित हुए।

मैहर घराने के गुरुकुल परंपरा के निःशुल्क माँ शारदा संगीत विद्यालय माई कृपा टीचर्स कॉलोनी में आये परीक्षार्थियों में महरौनी की तेजस्वनी प्रतिभा गोस्वामी ने राग यमन,अमित कुमार झांसी ने भैरवी,प्रिंसी गोस्वामी ने यमन,समीक्षा अग्रवाल ने भैरवी, मऊरानीपुर के तनिष्क पटेल ने भूपाली,कृष्णकांत मिश्रा ने बागेश्वरी, गरौठा की श्रद्धा गुप्ता ने आसावरी, अंशुल कुमार ने मालकोश,शिवानी ने राग दरबारी ,रोहित पांडेय ,पुष्पेन्द्र पाल ने बिलावल राग की प्रस्तुति देकर मंत्रमुग्ध किया।

वादन में तबला में अंकुल कुमार ,ब्रजेश कुमार बंका पहाड़ी,गनपत लाल,हनी नामदेव,दुष्यंत सिंह मऊरानीपुर, कान्हा सेन आदि ने सोलो वादन में तीन ताल की प्रस्तुति दी। संचालन सितारवादक पं सरजू शरण पाठक ने किया।

इस मौके पर देवेन्द्र घोष, सोनू पटेल,प्रमोद गोस्वामी,अनुराग कृष्ण,पुष्पेन्द्र सिंह,जाहर सिंह पटेल, मिथलेश सेन,अंश कौशिक आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने दुष्कर्मी दबोचा, भेजा जेल

चित्रकूट। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी दुर्गविजय सिंह के मार्गदर्शन में उनि राजेश कुमार ने नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर ले जाकर दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार किया। कोतवाली कर्वी निवासी एक वादिनी ने सूचना दी कि उनकी नाबालिक पुत्री को दिलशाद पुत्र मो0 शमीम के द्वारा बहला फुसलाकर भगा ले गया है। उनि राजेश कुमार ने अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आधा दर्जन वारंटियो को दबोचा

चित्रकूट। उनि अमरेन्द्र सिंह, आरक्षी अनिकेत, रि0आरक्षी अनिल कुमार, दिलीप पाण्डेय कोतवाली कर्वी ने वारण्टी बुद्ध विलास पुत्र शम्भू, बच्चा केवट, बलदेव उर्फ पप्पू केवट, बुद्धु केवट पुत्र नर्वद केवट निवासी खटकाना शंकर बाजार, दुर्वीर सिंह चौकी प्रभारी सीतापुर, आरक्षी रविशंकर, नागेश कुमार ने वारण्टी राहुल कुशवाहा पुत्र शिवप्रसाद निवासी रत्नावली मार्ग, आबकारी अधिनियम के वारण्टीयुवराज सिंह पुत्र नन्द किशोर निवासी चितरा गोकुलपुर, उनि नरेन्द्र यादव थाना राजापुर ने वारण्टी राकेश प्रताप सिंह पुत्र इन्द्रजीत उर्फ ननका सिंह निवासी छीबो को गिरफ्तार किया।

कार्यकर्ताओं का यही जोश और समर्पण ही हमारी असली ताकत हैः प्रदीप पटेल

मऊरानीपुर (झाँसी) भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने चुरारा मण्डल में एक बैठक पार्टी कार्यकर्त्ताओं के साथ ली। जिसमें आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार की गयी । एवं प्रत्येक बूथ को अभेध व मजबूत बनाने के लिये ऊर्जावान कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत रणनीति बनायी गयी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने कहा कि कार्यकर्ताओं का यही जोश और समर्पण ही हमारी असली ताकत है। हम सब मिलकर आगामी सभी लक्ष्यों को फतह करेगें। इस मौके पर पार्टी के समर्पित कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

ऑपरेशन जाग्रति अभियानः झूठे मुकदमों से बचे,साइबर अपराध से रहें सावधान

झांसी जयूसं। ऑपरेशन जाग्रति अभियान के तहत झांसी पुलिस नेअपने थाना क्षेत्रों में आमजन को जागरुक किया। ऑपरेशन जाग्रति को प्रत्येक बच्चे तक पहुंचाने के लिए निबंध,चित्रकला,वाद-विवाद आदि प्रतियोगिताओं का स्कूलों में आयोजन कराने की अपील की गई। अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन अनुपमा कुलश्रेष्ठ,पुलिस महानिरीक्षक आकाश कुलहरि,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में महिलाओं एवं बालिकाओं के जागरुकता व स्वावलंबन एवं उनके प्रति होने वाले अपराधों में कमी लाने हेतु चलाए जा रहे च्ऑपरेशन जागृतिज्ज अभियान के कोतवाली थाना क्षेत्र के गोयनका पब्लिक स्कूल एक गोष्ठी आयोजित कर, महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों से संवाद स्थापित किया गया। उनको जागरुक किया गया। वरिष्ठ उप निरीक्षक किरन रावत ने महिलाओं को महत्वपूर्ण सलाह दी। उन्होंने कहा कि निजी स्वार्थ या रंजिशन के कारण झूठे मुकदमों में शामिल न हों । कानूनी अधिकारों का दुरुपयोग न करें ।उन्होंने बताया कि एक झूठ से किसी निर्दोष का जीवन बर्बाद हो सकता है। उन्होंने साइबर अपराध के बारे में जागरुक करते हुए कहा कि इंटरनेट का इस्तेमाल सावधानी से करें । फोन पर अनजान व्यक्तियों से बात न करें । किसी को भी अपनी बैंक,खाता या निजी जानकारी न दें। बालिकाओं छात्राओं एवं लोगों से संवाद स्थापित करते हुए बताया गया कि विभिन्न माध्यम से जनसुनवाई में प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्र एवं दैनिक अपराध आख्या से महिलाओं से संबंधित अपराधों की शिकायतें देखने को मिलती है। इस अवसर पर महिला कांस्टेबल अंजू ,महिला कॉन्स्टेबल आशा तोमर ,महिला कांस्टेबल कुमकुम शर्मा ,महिला हेड कॉन्सटेबल दीपमाला तथा महिला कॉन्स्टेबल अन्नू आदि लोग मौजूद रहे।

लाइन हाजिर सब इंस्पेक्टर अजहर पर गंभीर धाराओ मे मुकदमा दर्ज की मांग को लेकर फिर धरने पर बैठे परिजन

चित्रकूट। पोस्टमार्टम हाउस मे धरना देते ग्रामीण व बैठी पुलिस ।

चित्रकूट। सरधुवा पावर हाउस मे तैनात संविदा कर्मी शिवशंकर शुक्ला की आत्महत्या मे हुई कार्यवाही को नाकाफी बताते हुए परिजनो ने मर्चरी हाउस मे धरने पर बैठ गये। लाइन हाजिर सब इंस्पेक्टर अजहर जमाल द्वारा दी गयी धमकी को आत्महत्या का कारण मानते हुए गंभीर धाराओ मे मुकदमा दर्ज करने को लेकर प्रदर्शन किया। भारी पुलिस बल के बीच धरने पर बैठे ग्रामीणो ने एसडीएम अजय यादव और सीओ राजकमल के समक्ष यह मांग रखी। सभी ने मांगे मानी है तब जाकर मामला शांत हुआ और पोस्टमार्टम हुआ।

गौरतलब है कि बीते 17 जुलाई की शाम शौच का बहाना कर खेतो मे गये शिवशंकर शुक्ला ने सुसाइड नोट लिखकर सब इंस्पेक्टर अजहर जमाल को दोषी बताया था। इसका आडियो भी सोशल मीडिया मे वायरल है। जिसमे जेल भेजने की धमकी दी जा रही है। इस धमकी से आहत शिवशंकर शुक्ला ने पेड पर साफी बांधकर झूल गया। परिजनो की मांग पर पुलिस अधीक्षक ने सब इंस्पेक्टर को लाइन हाजिर कर दिया था। इसके बाद रविवार को पोस्टमार्टम हाउस मे दोबारा कार्यवाही को लेकर परिजनो के साथ भाजपाइयो ने हंगामा काटा। नतीजतन पुलिस और प्रशासन ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए मामले को सुलझा दिया है। गौरतलब है कि राजापुर थाना क्षेत्र निवासी शिवशंकर पर कथित तौर पर दरोगा अजहर जमाल द्वारा मानसिक रूप से परेशान किए जाने का आरोप है। बीते दिन मृतक शिवशंकर का शव घर के पास एक पेड़ पर लटकता हुआ मिला था। मृतक और दरोगा के बीच की रिकॉर्डिंग भी वायरल है।

जल संरक्षण के अग्रदूत बने पूर्व ब्लाक प्रमुख नवल मिश्र

चित्रकूट। जानकारी देते पूर्व ब्लाक प्रमुख नवलकिशोर मिश्रा।

चित्रकूट। जल संकट को देखते हुए सरकार जल संरक्षण पखवाडा मना रही है। इसी कडी मे मऊ निवासी पूर्व ब्लाक प्रमुख नवल किशोर मिश्र समूचे नगर पंचायत मऊ के दूषित जल को खेतो मे इस्तेमाल करने की योजना बनायी है। हालांकि यह योजना भूमि संरक्षण विभाग से आज भी चल रही है लेकिन सरकारी मदद उनके लिये कोई मायने नही रखती वह अपने खेतो मे ही तालाब दर तालाब खुदवा रहे है ताकि पंचायत का जितना भी पानी है उनके खेत तालाब मे आ जाये। इसी का वह संग्रह कर रहे है। भूमि संरक्षण विभाग किसानो के खेत मे तालाब खुदवाती है लेकिन सरकारी इमदाद के मायने क्या है यह किसी से छिपा नही है। फिलहाल जल संरक्षण पखवाडा मे पूर्व ब्लाक प्रमुख नवल किशोर मिश्र मील का पत्थर साबित हो रहे है। उन्होने एक भेंट मे बताया कि वह इस पानी को संरक्षित करके धान की फसल उगायेंगे और भी पानी वाली फसले उगाकर उन्नत किसान बनकर दिखायेंगे।

यात्री प्रतीक्षालय न होने से यात्रियों की मुसीबतें बढ़ीं, घंटों धूप और बारिश में खड़े रहने को मजबूर

गुरसरांय (झांसी)। गुरसरांय नगर के मोदी चौराहे पर यात्री प्रतीक्षालय न होने से रोजाना सफर करने वाले स्कूली बच्चों,महिलाओं,बुजुर्गो और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी में जहां बच्चे तपती धूप में सड़क किनारे खड़े होकर बसों का इंतजार करने को मजबूर हैं,वहीं बारिश के दौरान उन्हें खुले आसमान के नीचे भीगते हुए सफर करना पड़ता है। स्थानीय लोगों में प्रशासन की अनदेखी को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। गुरसरांय नगर के मोदी चौराहे पर एक प्रमुख यातायात केंद्र है,जहां से एरच,गरौठा,मऊरानीपुर, झांसी समेत लोगों को बसों का इंतजार करते हैं। लेकिन यहां यात्रियों के लिए न तो कोई प्रतीक्षालय है और न ही टीनशेड जैसी अस्थायी व्यवस्था। ऐसे में छोटे-छोटे बच्चे तेज धूप,लू और बारिश के बीच सड़क किनारे खड़े रहने को मजबूर हैं। नगरवासियों का कहना है कि कई बार स्कूली बच्चे घंटों बस का इंतजार करते हैं।

गर्मी में चिलचिलाती धूप के कारण बच्चों की तबीयत बिगड़ने का खतरा बना रहता है,जबकि बरसात में भीगकर स्कूल पहुंचने से उन्हें बीमारी का डर सताता है। महिलाओं और बुजुर्गों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि अब तक किसी जनप्रतिनिधि या प्रशासनिक अधिकारी ने इस ओर गंभीरता नहीं दिखाई। इस संबंध में नगर के जागरूक लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से नगर के मोदी चौराहे पर जल्द से जल्द यात्री प्रतीक्षालय निर्माण कराने की मांग की है।

समाजसेवी राजू मिश्रा आदर्श मिश्रा को सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट के डारेक्टर ईलेश जैन ने किया सम्मानित

पनवाड़ी,महोबा। कस्बे के समाजसेवी राजनारायण उर्फ राजू मिश्रा एवं पुत्र आदर्श मिश्रा कई सालों से गरीबो, आश्रित और जरूरतमंदों की मदद करने के अलावा पिछले चार सालों से प्रत्येक माह की 13 तारीख को नेत्र शिविर का आयोजन कर हजारों नेत्र मरीजों का सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट के माध्यम से मोतियाबिंद का निःशुल्क आपरेश और अन्य सामाजिक कार्य करते आ रहे हैं। उनके सेवा भाव को देखते हुए सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट के डारेक्टर ने समाजसेवी को सम्मानित कर उनका मान बढ़ाया।

सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट में आयोजित कार्यक्रम में महोबा, प्रयागराज, झांसी बुंदेलखंड कानपुर क्षेत्र पूर्वांचल सहित अन्य जनपदों के समाजसेवियों, डाक्टरों व अन्य लोगों को सम्मानित किया गया, जिसमें जिले के कस्बा पनवाड़ी निवासी राजू मिश्रा एवं उनके सुपुत्र आदर्श मिश्रा को भी उनके सामाजिक कार्यों और नेत्र शिविर का आयोजन किए जाने पर ट्रस्ट के डारेक्टर डॉ. ईलेश जैन ने सम्मानित किया। डारेक्टर ने उन्हें शाल ओढाकर और पुरस्कार देकर उनका मान बढाया। समाजसेवी के सम्मानित होने की खबर मिलते ही कस्बे में खुशी का माहौल हैं।

समाजसेवी राजू मिश्रा ने बताया कि वह समाजसेवा निस्वार्थ भाव से समाज की भलाई के लिए काम करते हैं। बताया कि वह पिछले चार सालों से कस्बे में नेत्र शिविर का आयोजन करते आ रहे हैं, जिसमें सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट की चिकित्सीय टीम आती है और मरीजों को नेत्र परीक्षण करती है। बताया कि नेत्र शिविर में अब तक करीब तीन हजार मरीजों के मोतियाबिंद का निःशुल्क आपरेशन किया जा चुका है साथ ही लगभग छह हजार से अधिक मरीजों को निःशुल्क चश्मों का वितरण भी किया जा चुका है। उनके इस समाजिक कार्य और सेवा भाव के चलते कस्बे में उनकी खूब सराहना की जा रही है

उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया पिछले 4 वर्षों में राजू मिश्रा द्वारा 3000 से ऊपर मोतियाबिंद ऑपरेशन के केस एवं 6000 निशुल्क चश्मा वितरण किए गए राजू मिश्रा द्वारा सबसे अधिक मोतियाबिंद के ऑपरेशन भेजे गए एवं सबसे अधिक प्रत्येक व्यक्ति को चश्मा वितरण किए गए राजू मिश्रा के यहां पनवाड़ी में जय बड़ी माता इलेक्ट्रॉनिक एवं फर्नीचर शोरूम पर महीने की हर 13 तारीख को कैंप लगाया जाता है जिसमें आसपास के सभी गांवों से भारी संख्या में मरीज पहुंचते है राजू मिश्रा के द्वारा दूरदराज गांवों से आय मरीजों की खाने पीने एवं ठहरने की व्यवस्था की जाती है

मनोज कुमार एवं अभय कुमार को सौपी गयी मऊरानीपुर एसडीएम की जिम्मेदारी

मऊरानीपुर (झाँसी) उपजिलाधिकारी मऊरानीपुर श्वेता साहू का स्थानान्तरण हो जाने पर उनके स्थान पर मनोज कुमार भारती को मऊरानीपुर उपजिलाधिकारी / उप जिला मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। आप अभी वर्तमान में उपजिलाधिकारी (न्यायिक) गरौठा थे। वही अभय कुमार सिंह को उपजिलाधिकारी (न्यायिक) मऊरानीपुर की जिम्मेदारी सौपी गयी।

एशिया की सबसे बडी तहसील मऊरानीपुर का रेलवे स्टेशन अभी भी पुराने ढर्रे में, जिम्मेदार मौन

मऊरानीपुर (झाँसी) जहाँ एक ओर मऊरानीपुर तहसील एशिया की सबसे बडी तहसील है। तो दूसरी ओर हर एक रेलवे स्टेशन का कायाकल्प हो गया। नवीनीकरण दिख रहे हर एक छोटे से छोटे रेलवे स्टेशनों का स्वरुप ही बदलकर रख दिया गया है बराबर कायाकल्प कराकर उनको नवीनीकरण किया गया। लेकिन एशिया की सबसे बडी तहसील मऊरानीपुर का रेलवे स्टेशन आज भी पुराने ढर्रे में चल रहा है। जहाँ की दुर्दशा देखने लायक बनी हुयी है। वर्षो से रंगाई पुताई न होने के साथ गन्दगी जैसी स्थिति गम्भीर बनी देखने को मिल रही है। रेलवे के वरिष्ठ अफसरों के द्वारा दौरा तो किया जाता है बराबर मऊरानीपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया जा रहा है। लेकिन अभी तक रेलवे के वरिष्ठ अफसरों का रेलवे स्टेशन की ओर ध्यान आकृष्ट नही, अफसर आकर अपना खानापूर्ति निरीक्षण कर औपचारिकता पूर्ण कर चले जाते है। लेकिन रेलवे स्टेशन की दुर्दशा पर उनका कतई ध्यान आकृष्ट न हो रहा है। सब मनमर्जी युक्त चल रहा है। जिसको लेकर नगरवासियों ने प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखकर मऊरानीपुर के रेलवे स्टेशन की ओर गम्भीरता से ध्यान आकृष्ट कराते हुये, जिम्मेदार अफसरों की उदासीनता को भी लेकर उजागर किया जायेगा।

उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ ने अधिशासी अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मऊरानीपुर (झाँसी) उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ ने एक ज्ञापन अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को सौंपा। जिसमें बताया गया कि आउट सोसिंग सफाई कर्मचारी की वेतन वृद्धि शासन द्वारा की गयी है। उसे इसी माह से लागू किया जाये। वही 24 जुलाई को विशाल बाईक रैली उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के तत्वाधान में मऊरानीपुर से लखनऊ के लिये रवाना होगी। इस मौके पर भोले पवार प्रान्तीय संगठन मंत्री, रघुवीर शाखा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार, महामंत्री जितेन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, निखिल आदि लोग उपस्थित रहे।

सामुदायिक विवाह घर का हुआ शिलान्यास एवं भूमि पूजन

मऊरानीपुर (झाँसी) विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्राम सरसेंढा में सामुदायिक विवाह घर का शिलान्यास एवं भूमि पूजन विधायक प्रतिनिधि पप्पू सेठ के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर पप्पू सेठ ने कहा कि आप सभी का विश्वास और अपनापन जनसेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त बनाता है। इस मौके पर भगवत साहू, मानसिंह राठौर, शीलू रतौसा, देवेन्द्र चतुर्वेदी आदि लोगों के साथ ग्रामवासी मौजूद रहे।

सभी प्रमुख बाँधों, जलाशयों, रपटों एवं संवेदनशील स्थलों पर चेतावनी सूचना-पट्ट अनिवार्य रूप से लगाएं : मण्डलायुक्त

■ अधिकारी अपनेक्षेत्रों के अन्त्येष्टि स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें

झाँसी जयूसं। मण्डलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गयी। उन्होंने जहाँजनसामान्य का अधिक आवागमन होने वाले सड़क सार्वजनिक रास्तों एवं सड़क किनारे गहरे गड्ढे होने पर वाहन गिरने की घटनाएं, जनहानि एवं बच्चों के डूबने की घटनाओं को रोकने के लिए ऐसे गड्ढे व होल बन्द करने के निर्देश दिए, जिससे जनहानि को होने से बचाया जा सके।

मण्डलायुक्त ने बाँधों पर हुई घटनाओं को गम्भीरता से संज्ञान लेतेहुए वर्षा ऋतु के दौरान बाँधों, जलाशयों एवं अन्य गहरे जल स्रोतों में डूबने की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मंडल के सभी प्रमुख बांधों, जलाशयों/रपटों एवं संवेदनशील स्थलों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम/माईक की व्यवस्था एवं चेतावनी सूचना-पट्ट अनिवार्य रूप से लगाए जाएं तथा खतरनाक रपटें वाले क्षेत्रों की बैरिकेडिंग कर आमजन की आवाजाही को नियंत्रित करने हेतु निर्देशित किया। सिंचाई विभाग, जल निगम, पंचायत, लोक निर्माण विभाग, लघु सिंचाई, पुलिस, राजस्व विभाग नियमित निगरानी करें और संवेदनशील स्थलों पर आवश्यकतानुसार सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करें। मण्डलायुक्त ने निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, विद्यालयों तथा अन्य माध्यमों से लोगों को बांधों, नदियों एवं गहरे जलाशयों में स्नान, सेल्फी लेने अथवा अन्य जोखिमपूर्ण गतिविधियों से बचने के लिए जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसहयोग और प्रशासनिक सतर्कता के माध्यम से ही डूबने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन, पुलिस अथवा संबंधित विभाग को सूचना देकर त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि ऐसे जलाशय व रपटें जो बारिश में डूब जाते हैं, ऐसे रपटों वाले क्षेत्रों की बैरिकेडिंग लगाकर आमजन की आवाजाही को रोकने हेतु ड्यूटी लगाई जाए जिससे होने वाली जनहानि को रोका जा सके। मण्डलायुक्त ने जनपद के समस्त अन्त्येष्टि स्थलों पर टीन शेड सहित आवश्यक व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखनेकेनिर्देश दिए हैं। उन्होंनेकहा कि वर्षा ऋतु एवं जलस्तर बढ़ने की स्थिति को देखते हुए नदियों एवं जलाशयों के किनारे स्थित अन्त्येष्टि स्थलों पर विशेष सतर्कता बरती जाए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अन्त्येष्टि स्थलों पर चेतावनी संकेतक बोर्ड, आवश्यक बैरिकेडिंग तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मण्डलायुक्त ने टहरौली क्षेत्र में तिरपाल लगाकर अंतिम संस्कार करने वाली घटना पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए डीडी पंचायत को निर्देश दिए कि अन्त्येष्टि स्थलों, अस्पतालों एवं विद्यालयों के रास्तों को सुगम बनायें, जिससे आमजन व विद्यालय जाने वाले बच्चों को आने जाने में परेशानी न हो। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सम्बन्धित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के अन्त्येष्टि स्थलों का नियमित निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें।

मण्डलायुक्त ने कहा कि तहसील स्तर पर किसान सम्मान निधि के लम्बित आवेदनों का निस्तारण अभियान के साथ पूर्ण करायें। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग के पोर्टल पर श्रमिकों का अधिक से अधिक पंजीयन कराएं जाएं, जिससे पात्र श्रमिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जिन कार्यालयों में आमजन का आवागमन अधिक रहता है, वहां स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा प्रेरणा केंटीन व मिलेट केन्द्र खोले जाएं, जिससे स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को रोजगार और आमजन को सस्ते दर पोष्टिक खाना मिल सकेगा। मंडलायुक्त ने कृषि विभाग की समीक्षा निर्देश दिए कि वर्तमान में कृषकों को कृषि कार्य हेतु खाद आपूर्ति के दृष्टिगत विभागीय अधिकारी केन्द्रों पर खाद की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति का व्यापक रुप से प्रचार-प्रसार करायें, जिससे खाद-बीज के केन्द्रों पर अनावश्यक भीड़ एकत्र न हो सके। खाद बीज की उपलब्धता केन्द्रों पर किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारित करें। मण्डलायुक्त ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, छात्रवृत्ति प्रकरण, किसानों का आधार सीडिंग कार्य, गर्भवती महिलाओं व छोटे बच्चों को पोषाहार वितरण, बाल वाटिका, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, अभ्युदय योजना, किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन, आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण, निराश्रित गौवंश आश्रय स्थल सहित निर्माणाधीन कार्यों में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये। बैठक में संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चन्द्र केसरवानी, अपर नगर आयुक्त रौली गुप्ता, संयुक्त निदेशक शिक्षा आर के वर्मा, उप निदेशक अर्थ एवं संख्या एस.एन.त्रिपाठी, अपर निदेशक पशुपालन ए.केसागर, उपायुक्त खाद्य विनय कुमार, उप निदेशक पंचायती राज अजय आनन्द सरोज, उप निदेशक महिला कल्याण श्रवण गुप्ता, उप निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण शिव सिंह, उप निदेशक समाज कल्याण इन्द्रा सिंह, अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग संजीव कुमार सहित अन्य सम्बन्धित मण्डलीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

श्री लाला हरदौल से की अच्छी बरसात के लिए प्रार्थना

झाँसी जयूसं। अन्दर सैंयर गेट स्थित श्री लाला हरदौल कुशवाहा समाज मन्दिर(श्री लाला हरदौल कुशवाहा समाए वैलफेयर सोसायटी) के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष की भाँति रविवार को आषाण माह की पूजा अर्चना विधिवत पुजारी कैलाश चन्द कुशवाहा द्वारा की गई। जिसमें समिति के सभी सदस्य व समाज के पुरुषों, महिलाओं के साथ ही बच्चों ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया। श्रृद्धालुओं /समाज बन्धुओं ने प्रति वर्ष की भांति उन्होंने आस्था और विश्वास के साथ श्री लाला हरदौल महाराज से अच्छी बारिश के लिए प्रार्थना की है। इस अवसर पर अध्यक्ष महेश चन्द्र ,मनोज, जानकी प्रसाद, प्रेम नारायण, गौरीशंकर कुशवाहा ,हरवंश, हरी प्रकाश, शोभा कुशवाहा, गीता, फूलवती, शकुन्तला,मिथिला देवी,कुसुम देवी आदि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर मेंकी गई जाँच

झाँसी जयूसं। श्रीभोले नाथ खाती बाबा एवं सांई सेवा समिति द्वारा न्यू लाइफ क्लीनिक उन्नाव गेट बाहर पत्थर की टाल पर नि:शुल्क नेत्र रोग. स्त्री रोग, बी. पी सुगर जरनल फिजिशियन परीक्षण शिविर लगाया गया। शिविर मेंमरीजों के स्वास्थ्य की जाँच हुई। डॉक्टरों ने मरीजों का रक्तचाप, सुगर आँखें स्त्री रोग व सामान्य रोगों की जाँच की गई। जाँच के बाद आवश्यकतानुसार दवाइयाँ वितरित की गई। बीमारियों से बचाव और खान-पान के बारे में जरूरी सलाह दी गई। 325 नेत्र रोगियों की जाँच व 32 लोगों के मोतिया बिन्द ऑपरेशन की आगामी तिथि दी गई। 175 महिलाओं की जाँच व नि:शुल्क दवा दी गई। 250 लोगों व सुगर की जाँच की गई। 50 लोगों की फिजिशियन सर्जन द्वारा जांच व दवा दी गई। शिविर में उपस्थित रहे डॉ.जी एस अर्गल नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. श्रीमती ऊषा अर्गल स्त्री रोग विशेषज्ञ,डॉ. मसनून इलाही फिजिशियन सर्जन, डॉ. सबिहा इलाही ने लोगों का इलाज किया।

इस अवसर पर रहबर इलाई, शरीफ मकरानी, जहीर भाई, मतलूब, इंद्रपाल सिंह, साइ इलाही, अविनाश सिंह, संजीव बुन्देला, अंकित श्रीवास्तव, अंशुल वर्मा, रेनू, सुधीर कुमार, आराधना, निविशा, दिव्यांश, साक्षी, तनु साहिबा, राकेश आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन समाज सेवी अज्जू मेहरोलिया ने किया। आभार व्यक्त डॉ संजय गौतम ने किया।

कांग्रेस है तो विश्वास है के नारे के साथ प्रबुद्धजन के बीच पहुँचने का आह्वान

झांसी जयूसं। प्रबुद्ध वर्ग के बीच कांग्रेस है तो विश्वास है के नारे के साथ पहुंचने की मुहिम तैयार की गई है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव सायमा नोमान बताती हैं कि पार्टी का लम्बा इतिहास; धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण और जनकल्याणकारी नीतियों का रहा है। इसमें देश का विकास और जन अधिकारों की रक्षा सम्मिलित है। उन्होंने प्रभार क्षेत्र में पदाधिकारियों से इस मुहिम में सक्रिय होने का आह्वान किया। इस दौरान मोहम्मद शाहिद, प्रभुदयाल अहिरवार, सुलभ राय, आरिफ सलीम, मुमताज अहमद, किशोर कुमार, फिरोज खान आदि ने विचार व्यक्त किए।

गौ वंश केगोबर व मूत्र के उपयोग से जहर मुक्त प्राकृतिक खेती पर दिया जोर

भूसे, पेयजल व जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें:अध्यक्ष गौ-सेवा आयोग

झांसी जयूसं। गौसेवा आयोग अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट नवीन सभागार में पशुपालन विभाग की जिला स्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न गोआश्रय स्थलों में संरक्षित निराश्रित गोवंशों केसंरक्षण, भरण-पोषण, चिकित्सा एवं मूलभूत व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। अध्यक्ष गौ सेवा आयोग ने गौवंशों के समुचित रख-रखाव को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में बताते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अध्यक्ष गौ सेवा आयोग श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि समस्त जनप्रतिनिधियों से एक-एक गोशाला गोद लेने हेतु आग्रह किया जाए एवं उनकी निधि के माध्यम से उस गौ आश्रय स्थल में आधारभूत संरचना से आच्छादित कराने हेतु निवेदन किया जाए। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा भी ग्राम पलींदा में गौआश्रय स्थल को गोद लिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वर्षा ऋतु को देखते हुए किसी भी गौ आश्रय स्थल में जलभराव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। सभी संबंधित अधिकारी नियमित निरीक्षण कर जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि गोवंशों को किसी प्रकार की असुविधा या बीमारी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि नर और मादा बच्चों सहित बीमार गौवंश को पृथक् रखा जाए और समय से उनका इलाज कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

अध्यक्ष गौसेवा आयोग ने गौवंश संरक्षण से संबंधित अन्य बिंदुओं की भी समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि गौआश्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह सहित जिला विकास अधिकारी, डीसी मनरेगा, समस्त व्हाइट पशु चिकित्साधिकारी,समस्त खण्ड विकास अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यटन और तीर्थाटन को मिलेगा बढ़ावा, दो ऐतिहासिक संस्कृतियों का होगा मिलन

झांसी जयूसं। यात्रियों की सुविधा और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गाड़ी सं. 04149/04150 प्रयागराज-यशवंतपुर-प्रयागराज साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन न केवल यात्रियों के सफर को आरामदायक बनाएगी, बल्कि दो ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहरों को आपस में जोड़ेगी। इस ट्रेन के संचालन से तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए दोनों शहरों के इन प्रमुख और प्रसिद्ध स्थलों की यात्रा करना बेहद सुगम हो जाएगा।

रेलवे के मुताबिक गाड़ी सं. 04149/04150 प्रयागराज-यशवंतपुर-प्रयागराज (साप्ताहिक) - प्रयागराज से-प्रत्येक बुधवार 05 अगस्त 26 से 23 सितंबर 26 - 08 फेरे व यशवंतपुर से-प्रत्येक शनिवार 08 अगस्त 26 से 26 सितंबर 26 - 08 फेरे लगाएगी।

युवा श्रद्धालुओं व विशेष सहयोगियों का किया सम्मान

भगवान जगन्नाथ सेवा समिति की बैठक में मंदिर को भव्य स्वरूप देने का लिया संकल्प

झांसी जयूसं। जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ सेवा समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता संजय नौराई ने की। भव्य रथयात्रा में विशेष सहयोग करने वाले युवा श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का सम्मान किया गया। दुर्गा उत्सव समिति के पीयूष रावत ने कहा कि शास्त्रों में कहा गया है कि प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार में आर्थिक सहयोग व दान करने से व्यक्ति के जीवन में सुख समृद्धि में वृद्धि होती है। पुण्य फल की प्राप्ति होती हैं। पूर्वज तथा देवता प्रसन्न होते हैं। खुशहाली का आशीर्वाद देते हैं। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालु उत्साह से सहयोग करें। इस अवसर पर अध्यक्ष संजय नौराई, पुरुषोत्तम स्वामी ,मुकेश अग्रवाल, डॉ.संजय त्रिपाठी, गोकुल दुबे, अनिल नगरिया, दुष्यंत चतुर्वेदी, मनीष तिवारी, महेश सराफ, मैथिली मुद्गिल, महेंद्र भंडारी, जयदीप खरे, सत्येंद्र पुरी, पवन गुप्ता, प्रभात शर्मा, विनोद हयारण, विनय आनंद, शिवा नौराई, ध्रुव नौराई आदि उपस्थित रहे।

पेड़ लगाना ही नहीं, उसे संरक्षित रखना भी हमारी जिम्मेदारी

झांसी जयूसं। जिला जनकल्याण महासमिति, झांसी एवं जे.के.टी. नेचर केयर के तत्वावधान में आयोजित भू-जल सप्ताह 2026 के अंतर्गत आज एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन का संदेश दिया गया तथा उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के केंद्रीय अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. जितेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि जल और वृक्ष एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि भू-जल स्तर बढ़ाना है तो अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के साथ ही उनका संरक्षण भी सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा कि केवल पौधरोपण कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। कार्यक्रम में एम. डी. गुप्ता, महेश चंद्र गौतम, मोतीलाल दुबे, महेश द्विवेदी, शिरोमणि शर्मा, प्रभात यादव, पंकज झा, अंजु शर्मा, रामश्री गुप्ता, अनमोल शर्मा, सतेंद्र कुमार तिवारी सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शिवाजी नगर प्रवास पर मैराथन बैठकों के साथ जिलाध्यक्ष ने अनुसूचित समाज के वरिष्ठजनों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में धानुक, बरार, वंशकार समाज सहित प्रबुद्ध वर्ग के लोगों को किया सम्मानित

झांसी जयूसं। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक प्रवास अभियान केमहानगर जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने शिवाजी नगर मंडल का एक दिवसीय प्रवास किया । इस प्रवास का मुख्य उद्देश्य डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम के जरिए प्रत्येक बूथ पर 25 कार्यकर्ताओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। प्रवास के तीसरे दिन संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए बैठकों और जनसंपर्क शुरू किया। डिजिटल सशक्तिकरण और रणनीतिक बैठकें जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने प्रवास के दौरान विभिन्न संगठनात्मक स्तरों पर मैराथन बैठकें कीं। इन बैठकों को मुख्य रूप सेइन श्रेणियों में विभाजित किया गया बूथ स्तरीय संवाद कार्यकर्ताओं को डिजिटल रूप से सक्रिय करने के लिए बूथ समिति और पन्ना प्रमुखों के साथ संगठनात्मक चर्चा की गई। साथ ही वार्ड नंबर 33 मे शक्ति केंद्र के प्रवासियों और संयोजकों की बैठक लेकर जिम्मेदारियां तय की गई। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्च , वार्ड नंबर 18 में मंडल के पार्षदों, पूर्व पार्षदों और पार्षद प्रत्याशियों के साथ बैठक कर स्थानीय विकास और जनसमस्याओं पर मंथन हुआ। वार्ड नंबर 27 में पदाधिकारियों व मोर्चा अध्यक्षों के साथ विमर्शमंडल के पदाधिकारियों, मोर्चा अध्यक्षों, महामंत्रियों, संयोजकों, सह-संयोजकों और महिला पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। वार्ड नंबर 54 में मंडल में निवास करने वाले पूर्व जिला व मंडल पदाधिकारियों, पुरातन एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और विचार परिवार के सदस्यों के साथ विशेष बैठक कर उनका मार्गदर्शन लिया गया।

चाय पर चर्चाऔर जनसंपर्कऔपचारिक बैठकों के अलावा जिलाध्यक्ष ने जमीनी जुड़ाव को मजबूत करने के लिए मंडल पदाधिकारियो के साथ बैठक की और वार्ड नंबर 2 में बूथ अध्यक्षों के निवास पर चाय पर चर्चा की। उन्होंने स्थानीय पार्कों का भ्रमण कर आम नागरिकों और उनके परिजनों से भी सीधा संवाद स्थापित किया। इसके साथ ही क्षेत्र के मठ-मंदिरों में दर्शन मै काली माता के मंदिर के दर्शन कर गुरुजनों का आशीर्वाद लिया। प्रवास के अंतिम चरण में वार्ड नंबर 4 खुशीपुरा मंडल प्रभारी, सह प्रभारी के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई । भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में रविवार को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसमेंअनुसूचित मोर्चा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में धानुक, बरार, वंशकार समाज सहित प्रबुद्ध वर्ग के लोगों को सम्मानित किया। समारोह में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी एकजुटता प्रदर्शित की। समारोह के दौरान समाज के विभिन्न वक्ताओं ने धानुक, बरार और वंशकार समाज की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष के समक्ष अपनी बात रखते हुए आगामी समय में समाज को उचित राजनैतिक प्रतिनिधित्व और भागीदारी दिलाए जाने की मांग रखी।संजीव अग्रवाल एवं कपिल विरसैनिया , बालकिशन जिला पंचायत सदस्य चिरगांव

समारोह में संजीव अग्रवाल , कपिल विरसैनिया , बालकिशन जिला पंचायत सदस्य चिरगाँव, बबीना के पूर्व ब्लॉक प्रमुख कल्याण सिंह बरार, ललितपुर से आए समाज चिंतक खुशाल बरार, आशाराम धानुक, नरेंद्र धानुक, रोहित - मऊरानीपुर, मिलन वंशकार -प्रधान, भगवान दास, परशुराम - बरूआसागर, कमल मुखिया, अमान नन्ना, रतन लाल पासवान, किरन वर्मा, मनीष, नारायण दास, अमित पासवान, कन्हैया, बलवीर, रवि, रीना अधिकार, राजेन्द्र वंशकार, ब्रजलाल सिंह बरार, भगवान दास वर्मा, गब्बर बरार, अरविंद कुमार एवं पवन भारती सहित समाज गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार हरीश कुमार बरार ने किया । जिलाध्यक्ष साथ ही मंडल प्रवास मै मंडल अध्यक्ष और महामंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक संपन्न हुई, जिसमें दिनभर के प्रवास के निष्कर्षों पर चर्चा की गई।इस पूरे प्रवास कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल प्रभारी व जिला उपाध्यक्ष संजीव अग्रवाल लाला ,मंडल साह प्रभारी जिला उपाध्यक्ष अमर सिंह कुशवाहा ,मंडल अध्यक्ष दिलीप पुरी , पार्षद मोनिका नगरिया ,दीपक साहू ,रोहित कुशवाहा,विकास नगरिया ,रवि राजपूत ,कृष्ण कुमार दुबे ,प्रिंस कुशवाह कृष्ण वर्मा ,सुनील रजक , कृष्ण राय , भूपेंद्र सिंह, मोहित रायकवार , अमित गुप्ता ,दिनेश कुशवाहा ,संदीप करोसिया आदि वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी